ट्रैकमैन की सूझबूझ से कुमता और होन्नावर के बीच कोंकण रेलवे लाइन पर एक बड़ी दुर्घटना टल गई। ट्रैकमैन महादेव की नजर ट्रैक ज्वाइंट की अधूरी वेल्डिंग पर पड़ी। उस समय तिरुअनंतपुरम-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस इस मार्ग पर आ रही थी।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः267 दिनांकः08-09-2024 रविवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

राजस्थान के जोधपुर में वायुसेना के सबसे बड़े युद्धाभ्यास के तहत शनिवार को ओपन डे शो हुआ। इस दौरान भारतीय लडाकू विमानों सुखोई-30 व तेजस और हेलिकाप्टर प्रचंड ने आसमान में करतब दिखाए।

बाढ़, बारिश और बर्बादी की अंतहीन दास्तान

मानसून का तांडवः उजड़ते घर-कस्बे-शहर, हर साल एक जैसी तबाही...

पानी में डूबे देश के 15 हजार करोड़!

-भारत में औसतन हर साल बाढ़ से 75 लाख हेक्टेयर भूमि प्रभावित... 1600 लोगों की जाती है जान

-बाढ़ के कारण फसलों व मकानों तथा जन-सुविधाओं को होने वाली क्षति औसतन 1805 करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भोपाल(ईएमएस)। देश में अभी मानसून करीब एक महीने रहेगा। हर साल की तरह इस साल की बारिश भारत के कई हिस्सों के लिए तबाही लेकर आई है। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई राज्य बाढ़ की चपेट में रहे। बाढ़ के चलते लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। इससे जान और माल की भारी क्षति हुई है। एक ताजी रिपोर्ट बताती है कि इस बार बाढ़ के चलते देश की अर्थव्यवस्था को 10 से 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

चक्रवाती तूफान, बाढ़, बेहिसाब बारिश... हमारी भौगोलिक स्थिति कहें या क्लाईमेट चेंज का असर लेकिन बांग्लादेश, चीन, वियतनाम, पाकिस्तान जैसे एशियाई देशों की तरह भारत दुनिया में बाढ़ की तबाही झेलने के मामले में सबसे खतरनाक जोन वाले देशों में से एक है। दुनिया भर में बाढ़ से जितनी मौतें होती हैं, उसका पांचवा हिस्सा भारत में होता है। देश की कुल भूमि का आठवां हिस्सा यानी तकरीबन चार करोड़ हेक्टेयर इलाका ऐसा है जहां बाढ़ आने का अंदेशा बना रहता है। भारत में 39 करोड़ आबादी बाढ़ के खतरे वाले इलाकों में रहती है। भारत में औसतन हर साल बाढ़ से 75 लाख हेक्टेयर भूमि प्रभावित होती है, 1600 लोगों की जाने जाती हैं तथा बाढ़ के कारण फसलों व मकानों तथा जन-सुविधाओं को होने वाली क्षति 1805 करोड़ रुपए औसतन है। पूरे देश में बाढ़ से तबाही के एक जैसे हालात हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो साल 1952 से 2018 के 65 सालों में देश में बाढ़ से एक लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। 8 करोड़ से अधिक मकानों को नुकसान पहुंचा जबकि 4.69 ट्रिलियन से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ। असम, बिहार, बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य बाढ़ की तबाही हर साल झेलते हैं।

प्राकृतिक आपदाओं की संख्या बढ़ी

अभी अमेरिका और चीन के बाद प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही हो रहा है। 1990 के बाद भारत को कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, 1900 से 2000 के बीच के 100 सालों में भारत में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या 402 रहीं, जबकि 2001 से 2022 के दौरान महज 21 सालों में इनकी संख्या 361 रहीं। प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ के अलावा सूखे, भूस्खलन, तूफान और भूकंप को शामिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा तबाही बाढ़ से होती है। अकेले बाढ़ कुल प्राकृतिक आपदाओं में 41 फीसदी हैं। बाढ़ के बाद तूफान का स्थान है। एसबीआई का मानना है कि भारत में प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा नुकसान होने की एक बड़ी वजह बीमा का न होना है।

बाढ़ से कितनी बड़ी है तबाही

देश के कई रिवर बेसिन तबाही के इलाके साबित हुए हैं। हर साल सूखे दिनों में लोग अपना आशियाना बनाते हैं और बरसात में आने वाली बाढ़ सबकुछ बहा ले जाती है। इसी के साथ किसानों के खेतों में खड़ी फसल भी तबाह हो जाती है। एशियन डेवलपमेंट बैंक के मुताबिक भारत में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं में बाढ़ सबसे अधिक तबाही का कारण बनती है। प्राकृतिक आपदाओं से देश में होने वाले नुकसान में बाढ़ की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। अनियमित मॉनसून पैटर्न और कुछ इलाकों में कम और कहीं अधिक बरसात इस तबाही को कुछ इलाकों में और ज्यादा बढ़ा देता है। मकान, कारोबार, फसलों को हुए नुकसान पर एक अनुमान के मुताबिक बाढ़ के कारण भारत में पिछले 6 दशकों में करीब 417 लाख करोड़ का आर्थिक नुकसान हुआ है।

जमीन पर कारगर नहीं हैं उपाय

लगातार मरम्मत के काम और रखरखाव के खर्च के बावजूद हर साल जगह-जगह तटबंध टूट जाते हैं और आसपास के इलाकों में बसे लोगों का सबकुछ बहा ले जाती है बाढ़। बिहार के जल संसाधन विभाग की 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक विभिन्न नदियों पर बने तटबंधों में पिछले तीन दशकों में 400 से अधिक दरारें आई और बाढ़ का कारण बनीं। भले ही, हर साल फिर करोड़ों रुपये लगाकर इनकी मरम्मत होती है लेकिन फिर से मॉनसून आते ही हालात जस के तस हो जाते हैं। एक्सपर्ट मानते हैं कि तटबंधों का निर्माण बाढ़ का टेंपररी समाधान ही है। लेकिन इसके आगे कोई ठोस प्लान नहीं दिखता। 2008 के कोसी फ्लड के वक्त की भारी तबाही के बाद भी तमाम वादे किए गए। मास्टरप्लान, टास्क फोर्स बनाई गई। हर चुनाव में बाढ़ नियंत्रण के बड़े उपायों के वादे होते हैं लेकिन हालात तब भी जस के तस हैं।

दशकों से है समाधान का इंतजार

लगातार बन रहे इन तटबंधों का हाल ये है कि इनसे अब्रा का पानी एक जगह पर रोका जाता है तो दूसरे इलाकों में घुस जाता है और बाढ़ की तबाही नए इलाकों में होने लगती है। प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोग साल के तीन महीने को बाढ़ वाले महीने मानकर ही चलते हैं। बिहार-असम जैसे राज्यों के कई इलाकों में तो लोगों ने आने-जाने के लिए नाव तक खरीदकर रखा हुआ है ताकि बाढ़ के दौरान जरूरी कामकाज के लिए आ जा सकें। खरीफ के सीजन में खेती करना भी कम जोखिमभरा नहीं है इन इलाकों में। क्योंकि हर साल फसल बाढ़ में बर्बाद ही हो जाती है। हर साल सबकुछ गंवाने वाले लोगों को बाढ़ की इस समस्या के स्थायी समाधान का इंतजार दशकों से है।

मप में 10 फीसदी अधिक बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश में 1 जून से 5 सितंबर तक 904.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जो वार्षिक मानसून औसत से 10 प्रतिशत अधिक है। आईएमडी के आंकड़ों से पता चला है कि इस अवधि के दौरान राज्य में आमतौर पर 823.9 मिमी बारिश होती है।

आंदोलन करने वाले खिलाड़ियों पर देशद्रोह का मुकदमा हो - संजय सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने पर भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि आंदोलन करने वाले खिलाड़ियों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। बता दें कि विनेश फोगाट आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव में जुलाना सीट से कांग्रेस प्रत्याशी हैं। वहीं बजरंग पूनिया को कांग्रेस ने किसान मोर्चा का चेयरमैन बनाया है। वह फिलहाल चुनाव नहीं लड़ेंगे।

इससे पहले डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह ने कहा था कि पहलवानों का विरोध ही मुख्य कारण है कि पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पहलवान पर्याप्त मेडल नहीं जीत सके।

पिछले साल दिसंबर में डब्ल्यूएफआई प्रमुख का पदभार संभालने वाले संजय सिंह ने कहा था कि लगभग एक साल तक चले विरोध प्रदर्शनों से पैदा हुए तनाव के कारण पहलवानों को ओलंपिक की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल सका। करीब 14-15 महीनों तक चले विरोध प्रदर्शनों के कारण कुश्ती पर खिलाड़ियों का ध्यान बहुत कम था, जिससे उनकी तैयारी भी काफी कम थी।

वैन और ट्रक की टक्कर में 17 की मौत

हाथरस (ईएमएस)। यूपी के हाथरस जिले में शुक्रवार देर शाम वैन और ट्रक की टक्कर में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) निपुण अग्रवाल ने कहा, ''आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस ने आगे निकलने की कोशिश में वैन को टक्कर मार दी।'' यह दुर्घटना जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर कंवरपुर गांव के पास हुई। यात्री हाथरस से आगरा जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान इरशाद (25), मुन्ने खान (55), मुस्कान (16), टल्ली (28), तबस्सुम (28), नजमा (25), भोला (25), खुशबू (25), जमील (50), छोटे (25), अयान (दो), सुफियान (एक), अल्फाज (छह), शोएब (पांच) और इशरत (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी लोग हाथरस से आगरा जा रहे थे। एसपी ने बताया कि मामले में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है और चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, दो और मृतकों की पहचान अप्पी (2) और गुलशन के रूप में हुई है जिनका अलीगढ़ के एक अस्पताल में उपचार हो रहा था। हाथरस के जिला अधिकारी आशीष कुमार ने शनिवार को बताया कि 16 लोगों का उपचार हो रहा है जिनमें से 11 का हाथरस में और पांच लोगों का उपचार अलीगढ़ में किया जा रहा है।

10 वर्षीय बेटी के साथ रेप का केस दर्ज कराने पहुंचे माता-पिता को पुलिस ने पीटा

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में 10 वर्षीय बेटी के साथ रेप की शिकायत करने थाने पहुंचे माता पिता की अन्ना नगर की महिला पुलिस निरीक्षक ने पिटाई की। उन्हें रातभर थाने में ही रखा गया। मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया।

पीड़िता, एक सरकारी स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा है। पड़ोस में पानी के डिब्बे बेचने वाले आरोपी सतीश ने उसके साथ कई बार रेप किया। 31 अगस्त को एफआईआर दर्ज होने के बावजूद उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। लड़की के पिता एक निर्माण मजदूर हैं और उसकी मां एक रसोइया है।

हालांकि यह घटना 29 अगस्त को प्रकाश में आई और मामला 31 अगस्त को दर्ज किया गया। बच्ची या उसके परिवार से जिला बाल संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ) या बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के किसी भी सदस्य ने संपर्क नहीं किया।

29 अगस्त को शाम को लड़की की मां काम से लौटी। उन्होंने पाया कि उनकी बेटी के पेट में दर्द है। वह जोर-जोर से कराह रही थी। वह उसे एक निजी क्लिनिक में ले गई, जहां एक डॉक्टर ने जांच की और बताया कि उसके साथ बलात्कार हुआ है। लड़की को किलपौक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (केएमसीएच) रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने कहा कि उसके साथ बार-बार यौन उत्पीड़न किया गया था।

केएमसीएच अधिकारियों के सूचित किए जाने पर, अन्ना नगर की सभी महिला पुलिस टीम ने अस्पताल का दौरा किया। नियमों के विपरीत, इंस्पेक्टर राजी ने मां से अपना आधार कार्ड और अन्य विवरण थाने में लाने को कहा और बच्ची से पूछताछ की।

पीड़िता ने बाद में अपनी मां को बताया कि उसने पुलिस को सतीश का नाम इसलिए नहीं बताया क्योंकि उसने उसके माता-पिता और उसकी छोटी बहन को खत्म करके उसे अनाथ करने की धमकी दी थी। पीड़िता से पूछताछ के बाद, इंस्पेक्टर ने उसके माता-पिता को थाने बुलाया, जहां उन्हें अगले दिन तड़के तक रुकने के लिए कहा गया।

लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में तीन मंज़िला इमारत ढही, एक व्यक्ति की मौत, 13 लोग घायल

लखनऊ (ईएमएस)। लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में तीन मंज़िला इमारत ढहने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है, जिसके लिए रेस्क्यू टीमें काम कर रही हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ लगातार इस घटना पर अधिकारियों से संपर्क में हैं। बल्डिंग एक ट्रक के ऊपर गिरी है। ट्रक का बुरा हाल हो गया है। जानकारी के मुताबिक, हादसा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुआ है। इस घटना के बाद आस-पास के इलाके में खलबली मच गई है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के बचाव दल को राहत कार्य के लिए भेजा गया है और दल मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के काम में लगे हैं। घटना में घायल हुये 10 व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा की चिंगारी..5 लोगों की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। मणिपुर के जिरिबाम जिले में हाल की हिंसा की लहर में करीब 5 लोगों की मौत हुई है। यह घटना मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा बिष्णुपुर में दो स्थानों पर रॉकेट दागने के एक दिन बाद हुई, जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए थे। मणिपुर में तैनात एक सुरक्षा बल के अधिकारी ने बताया कि हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है। सुरक्षा बल अधिकारी ने कहा, सुबह उग्रवादियों ने एक गांव में घुसकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हुई। यह हत्या जातीय संघर्ष का हिस्सा है। गोलीबारी अभी भी जारी है। हमें रिपोर्ट मिली है कि मृतक कुकी और मैतेई दोनों समुदायों से हैं।

मणिपुर में पिछले डेढ़ साल से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय संघर्ष जारी है। लेकिन हाल के दिनों में स्थिति में गंभीर वृद्धि देखी गई है, विशेषकर पिछले पांच दिनों में जब एक नई लहर की हिंसा सामने आई है। बिष्णुपुर में एक बुजुर्ग की हत्या के कुछ घंटे बाद, इंफाल में भीड़ ने 2 मणिपुर राइफल्स और 7 मणिपुर राइफल्स के मुख्यालयों पर हथियार लूटने का प्रयास किया। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया।

शुक्रवार को हुए हमले को मणिपुर में रॉकेट के इस्तेमाल का पहला ज्ञात मामला बताया गया है। यह हमला ड्रोन के हथियार के रूप में इस्तेमाल होने के छह दिन बाद हुआ। मणिपुर पुलिस ने कहा कि कुकी उग्रवादियों ने लंबी दूरी के रॉकेट का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि रॉकेट करीब चार फीट लंबे थे। विस्फोटक को गैल्वनाइज्ड आयरन (जीआई) पाइप में भरकर एक देसी रॉकेट लांचर में फिट किया गया और एक साथ फायर किया गया। प्रोजेक्टाइल को लंबी दूरी तक ले जाने के लिए, आतंकवादियों को विस्फोटकों की मात्रा को बदलना पड़ता है। ऐसा लगता है कि वे शांति के महीनों के दौरान इसका अभ्यास कर रहे थे।

बढ़ती हिंसा को देखकर मणिपुर प्रशासन ने राज्य भर के सभी शैक्षणिक संस्थानों को शनिवार को बंद रखने का आदेश जारी किया है। मणिपुर में कुकी और मैतेई के बीच संघर्ष के दौरान उग्रवादियों ने नई तकनीकों जैसे कि ड्रोन और रॉकेट का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इससे हिंसा की स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जबकि राइफल और ग्रेनेड का इस्तेमाल भी जारी है।

सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों के तीन बंकर नष्ट किए, दहशत में लोगों

बिष्णुपुर जिले में बम हमलों से उत्पन्न अशांति के मद्देनजर मणिपुर सरकार ने शनिवार को स्कूल बंद रखने की घोषणा की।

पूर्व मुख्यमंत्री मैरेम्बम कोइरेंग के आवास के परिसर में गिरा रॉकेट एक इम्प्रोवाइज्ड रॉकेट लग रहा था। सुरक्षा बल अधिकारी ने बताया, बुजुर्ग व्यक्ति परिसर में कुछ धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारी कर रहा था, तभी बम फट गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस बीच, घाटी स्थित नागरिक निकायों के एक समूह, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने तत्काल प्रभाव से इंफाल घाटी के पांच जिलों में सार्वजनिक आपातकाल की घोषणा कर दी है। इंफाल घाटी के पांच जिलों में हजारों लोगों ने उग्रवादियों के हमलों का विरोध करने के लिए मानव श्रृंखला बनाई।

बात दें कि मणिपुर के बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिले के इलाकों में कई ड्रोन दिखाने के बाद लोगों ने अपने घरों की लाइटें बंद कर दीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस सप्ताह की शुरुआत में इंफाल पश्चिम जिले में दो स्थानों पर लोगों पर बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना, नाम्बोल कामोंग और इंफाल पूर्वी जिले के पुखाओ, दोलाईथाबी, शांतिपुर में कई ड्रोन दिखाई दिए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। घबराए ग्रामीणों ने घरों की लाइटें बंद कर दीं।

वहीं जिरीबाम जिले में शनिवार सुबह हुई हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह सो रहा था, वहीं बाद में हुई गोलीबारी में चार हथियारबंद लोग मारे गए। उग्रवादी जिला मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर एक सुनसान स्थान पर अकेले रहने वाले व्यक्ति के घर में घुसे और उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि हत्या के बाद जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर पहाड़ियों में युद्धरत समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें तीन पहाड़ी उग्रवादियों सहित चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गई।

नाच-गाकर टीवी सितारों ने किया बप्पा का अपने घर में स्वागत

मुंबई (ईएमएस)। गणेश चतुर्थी के पावन मौके पर आम से लेकर खास तक के घरों में बप्पा का आगमन हो रहा है। धूमधाम से गणपति का स्वागत किया जा रहा है।भारतीय हास्य कलाकार भारती सिंह भी बहुत उत्साह के साथ गणपति बप्पा को अपने घर में लाई है। वहीं अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और अभिनेता अर्जुन बिजलानी भी बड़े उत्साह के साथ उत्सव में शामिल हुए हैं।

भारती ने बप्पा को घर विराजमान करने के बाद कहा कि मैंने अपने शो लाफ्टर शेफ के लिए भगवान से समय बढ़ाने की प्रार्थना की थी और समय मिल गया। हम बहुत खुश हैं, बप्पा ने हमारे जीवन में खुशियां भर दी हैं। उन्होंने बप्पा के साथ अपने खास संबंध का वर्णन कर कहा, गणपति की मूर्ति कितनी भी भव्य क्यों न हो, आप उन्हें हमेशा एक बच्चे के रूप में ही देखते है। मैं बहुत भावुक हो जाती हूं, हम बच्चे जैसे गणेश को घर ला रहे हैं। गोला 3 साल का हो गया है और आज वह तीसरी बार गणपति बप्पा को घर लाने के लिए मेरे साथ आया है।

वहीं अंकिता और उनकी मां को मुंबई में गणेश की मूर्ति लाने के लिए पंडालों में जाते हुए देखा गया। अंकिता ने बताया कि जब गणपति बप्पा आते हैं, तब खुशियां लेकर आते हैं। मैं पूरे दिल से कामना करती हूं कि आपकी जो भी इच्छाएं हैं, वे पूरी हों। गणपति बप्पा मोरया.. । वहीं संभावना सेठ भी अपने पति अविनाश द्विवेदी के साथ बप्पा को घर ले गईं।

इसके अलावा टेलीविजन अभिनेता अर्जुन पत्नी नेहा और उनके बेटे अयान के साथ अपने घर के लिए गणेश की मूर्ति चुनने के लिए मुंबई के पंडालों में गए। चमकीले पीले रंग का कुर्ता-पायजामा पहने बिजलानी ढोल की थाप पर खूब नाचे। उन्होंने कहा कि हर साल की तरह, मैं बहुत उत्साहित हूं, जब भी बप्पा आते हैं, तब एक अनोखा सकारात्मक वातावरण को भर देते है।

अब, हम उन्हें घर ले जाएंगे, और वे तीन दिनों तक हमारे साथ रहेंगे, इन तीन दिन हम उनकी भक्ति के साथ सेवा करेंगे। बिजलानी ने भगवान गणेश के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा जाहिर कर कहा, मेरे लिए, गणपति बप्पा ही सब कुछ हैं, सच्ची शांति, घर, और हमारे पास जो कुछ भी है, वह उनके आशीर्वाद के कारण है।

वे 145 दिन........जब मैंने हर मिलने वाले से कुछ न कुछ सीखा

राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर अपनी यादें साझा कीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर अपनी यादें साझा की। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन की खूबसूरती सिखाई। जयकारे लगाती भीड़ और नारों के बीच, मैंने शोर को अनदेखा करके अपने करीब चल रहे व्यक्ति पर पूरा ध्यान केंद्रित करने और वास्तविकता सुनने की शक्ति हासिल की।उन्होंने लिखा, उन 145 दिनों में और उसके बाद के दो सालों में, मैंने अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए हजारों भारतीयों को सुना है। हर आवाज में ज्ञान छिपा है, मुझे कुछ नया सिखाया है और हर आवाज ने हमारी प्यारी भारत माता का प्रतिनिधित्व किया है। राहुल गांधी ने लिखा, इस यात्रा ने साबित कर दिया कि भारतीय लोग स्वाभाविक रूप से प्रेमपूर्ण होते हैं। राहुल गांधी ने पोस्ट कर बताया कि मैंने यह यात्रा शुरू की थी, तब मैंने कहा था कि प्रेम घृणा को जीतेगा और आशा भय को परास्त करेगी, आज भी हमारा मिशन सुनिश्चित करना कि भारत माता की आवाज, प्रेम की आवाज हमारे प्यारे देश के हर कोने में सुनी जाए।

बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सितंबर 2022 में कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और 4000 किलोमीटर का सफर तय कर कश्मीर पहुंची थी। दूसरी यात्रा ठीक एक साल पहले जनवरी से शुरू हुई थी

और मार्च 2024 तक चली थी। इसके तहत उन्होंने मणिपुर से महाराष्ट्र तक करीब 6200 किलोमीटर की यात्रा की। लोगों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की राजनीतिक छवि को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, जब भारत जोड़ो यात्रा शुरू की गई थी, तब लोग यात्रा को गंभीरता से नहीं ले रहे थे। यात्रा में राहुल गांधी ने बेरोजगारी, किसानों की समस्या, अर्थव्यवस्था की धीमी गति, भ्रष्टाचार और शासन व्यवस्था के मुद्दे उठाए।

शाह की पाकिस्तान को दो टूक........जब तक शांति नहीं, तब तक कोई बातचीत नहीं

आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छुड़ाना चाहती हैं कांग्रेस

जम्मू (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने बिरादरी ग्राउंड, परौला पहुंचे। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, राहुल गांधी को मैं एक बात कहना चाहता हूं कि कितना भी जोर लगा लो गुर्जर, बकरवाल पहाड़ियों और दलितों के आरक्षण को हम हाथ नहीं लगाने देने वाले...जब तक शांति नहीं होगी, पाकिस्तान से कोई बात नहीं होगी। शाह ने कहा, यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव हैं। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट करने वाले है।

शाह ने कहा हमारी पार्टी ने घर-घर जाकर इनके (नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस) विभाजनकारी एजेंडे के प्रति लोगों को जागरूक किया है। मैंने खुद प्रेस वार्ता कर नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे को उजागर किया था। लेकिन आज मैं आप सब के सामने आया हूं, क्योंकि मैं मीडिया से ज्यादा भरोसा आप पर करता हूं क्योंकि मैं भी आपकी जमात वाला हूं, मैं भी बूथ अध्यक्ष रहा हूं।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा अनुच्छेद-370 हटने से 70 साल के बाद जम्मू कश्मीर की माताओं-बहनों को अधिकार मिला है। एन व कांग्रेस पार्टी ये अधिकार छीनना चाहती है। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी पत्थरबाजी व आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छोड़ना चाहती है ताकि जम्मू, पुंछ, राजौरी जैसे क्षेत्र जहां शांति है, वहां फिर से आतंकवाद आए। क्या आप इन क्षत्रों में आतंकवाद को फिर से आने दोगे? जम्मू-कश्मीर में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को होना है, जबकि अन्य दो चरण 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे अबू धाबी के क्राउन प्रिंस

-शेख खालिद 9-10 सितंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 9-10 सितंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे है। अबू धाबी के युवराज के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। वे सोमवार को पीएम मोदी से मिलने और द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करने वाले है। जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर बाद में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे।

अपनी यात्रा के दूसरे दिन वह एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, इसमें दोनों देशों के बिजनेस प्रमुख हिस्सा ले रहे है। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रिंस की यात्रा मजबूत भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के रास्ते खोलेगी। अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। 2022-23 में करीब 85 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ यूएई और भारत एक-दूसरे के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से हैं। प्रधान मंत्री मोदी 14 फरवरी को अबू धाबी की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने भक्ति मंत्रों के बीच और स्वामीनारायण संप्रदाय के आध्यात्मिक नेताओं की उपस्थिति में अबू धाबी के पहले हिंदू पत्थर मंदिर का उद्घाटन किया था।

मौका मिला तो विनेश फोगाट के खिलाफ करुंगा चुनाव प्रचारः बृजभूषण सिंह

गौंड(ईएमएस)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने दावा करते हुए कहा है कि विनेश फोगाट को कोई भी भाजपा कार्यकर्ता चुनाव हरा सकता है। उन्होने कुश्ती में जितना नाम कमाया है वो कांग्रेस में जाने से मिट जाएगा। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि पार्टी का आदेश होगा तो विनेश के खिलाफ चुनाव प्रचार करने को भी तैयार हैं। बता दें कांग्रेस ने शुक्रवार को जारी 31 उम्मीदवारों की पहली सूची में जुलाना से विनेश फोगाट को मैदान में उतारा है। पूर्व सांसद ने कहा कि यदि भाजपा कहेगी तो वे भी हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार करने जाएंगे।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मुझे उनके समुदाय के लोगों भी भरपूर समर्थन मिलेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि लोकसभा चुनाव के समय हरियाणा के लोग कह रहे थे कि यदि आप यहां से चुनाव लड़ेंगे तो हम आपको जिताएंगे। लेकिन मैंने मना कर दिया। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन कांग्रेस की साजिश थी।

बृजभूषण ने ये बातें गोंडा के विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा कि इन पहलवानों (विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया) ने कुश्ती में बहुत नाम कमाया लेकिन कांग्रेस में शामिल होने के बाद इनका नाम मिट जाएगा। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि ये लोग राजनीति को हवा समझते हैं। सच ये है कि ये हरियाणा की किसी भी सीट से चुनाव लड़ लें, भाजपा का कोई भी उम्मीदवार इन्हें हरा देगा। उन्होंने कहा कि ये सब करके कांग्रेस ने देश में कुश्ती का बड़ा नुकसान किया। जब पहलवान दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तब गोंडा के नंदिनी नगर में जूनियर और सीनियर लेवल की कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इन लोगों ने विरोध प्रदर्शन करके उस प्रतियोगिता को रद्द करवा दिया था। इसका परिणाम यह हुआ कि जूनियर और सीनियर खिलाड़ी अपनी उम्र में कुश्ती नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में पहले दिन जो कहा था, आज भी उस पर कायम हूं। आज पूरा देश यही बात कह रहा है। मुझे ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है। हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीपेन्द्र सिंह हुड्डा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मेरे खिलाफ साजिश रची। अब मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बोलूंगा। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि पहलवानों को न्याय दिलाने के नाम पर कई कांग्रेस नेता उनके विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। एक के बाद एक कई पहलवानों को मोहरा बनाया गया।

ट्रेन में यात्रियों की चैकिंग के दौरान मिला दो किलो सोना और पांच लाख नकदी

-विधानसभा चुनाव के चलते रेलवे पुलिस बरत रही सख्ती

अंबाला,(ईएमएस)। हरियाणा के अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में यात्रियों की चैकिंग की जा रही थी। आरपीएफ ने चैकिंग के दौरान एक यात्री के पास दो किलो सोना और दूसरे यात्री से पांच लाख रुपए नकदी बरामद किए। इसकी सूचना तत्काल आयकर विभाग को दी गई इस पर आगे की कार्रवाई जारी है। बताया जा रहा है कि दोनों यात्री अमृतसर के रहने वाले हैं और दोनों ही आभूषण और कपड़े का व्यापार से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं।

विधानसभा चुनावों को लेकर रेलवे पुलिस सख्ती बरत रही है। रेलवे स्टेशन व ट्रेनों में चेकिंग की जा रही हैं। कल अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा ट्रेनों में चैकिंग की जा रही थी। चैकिंग के दौरान एक यात्री से दो किलो सोना और दूसरे यात्री से पांच लाख रुपए नकदी बरामद की गई। जब्त दो किलो सोने की कीमत करीब डेढ़ करोड़ बताई जा रही है। आरपीएफ इंचार्ज जावेद खान ने बताया कि चुनाव के समय कुछ असामाजिक तत्व चुनाव को प्रभावित करने के लिए गड़बड़ियां करते हैं, जिससे चुनाव में दिक्कत आए।

इस बात को मुख्यालय ने गंभीरता से लिया है। चुनाव के समय बोर्डर सील कर दिए जाते हैं, जिसके कारण आपराधिक प्रवृत्ति के लोग ट्रेन से सफर करते हैं क्योंकि ट्रेन आसानी से हर स्टेट को पार करती है। इसीलिए जो टीम तैयार की गई थी, उसी टीम ने ट्रेन में लुधियाना से चलने के बाद चैकिंग की, तो कोच नंबर बी-2 में गगनदीप नाम के युवक की चैकिंग की तो उसके पास से दो किलो सोना बरामद हुआ। पूछताछ की गई तो सोना ले जाने के दस्तावेज उसके पास नहीं मिले जिसमें आरपीएफ ने कार्रवाई करते हुए आयकर विभाग को सूचना दे दी। वह आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। उसी कोच में एक ओर व्यक्ति से पांच लाख रुपए कैश बरामद हुआ। चुनाव के समय में दो लाख से ज्यादा कैश नहीं ले जा सकते हैं। इस बारे में उस व्यक्ति से पूछताछ की गई तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। आरपीएफ ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

जन हितैषी

मौत की सजा प्रतिशोध? मृत्युदंड से अपराधों पर नियंत्रण

मौत की सजा हमेशा से विवादों में रही है। इस पर एक बार फिर बहस होने लगी है। मृत्युदंड के मुद्दे पर समाज दो धड़ों में बंटा हुआ है। एक वे लोग हैं, जो इसे न्याय मानते हैं, दूसरी ओर वे लोग हैं, जो इसे प्रतिशोध मानते हैं। मृत्युदंड की सजा की वकालत करने वाले यह मानकर चलते हैं, इससे अपराधों में कमी आएगी। जिन देशों में मृत्युदंड दिया जाता है। वहां पर भी अपराधों में कोई कमी नहीं होती है। वहां पर भी समय के साथ अपराध बढ़ रहे हैं। एक पक्ष इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन मानता है। मौत की सजा अपराधियों को सुधरने का मौका नहीं देती है। यह सिर्फ एक प्रतिशोधात्मक कदम है। जो अपराधी उत्तेजना या क्षणिक आवेश में अपराध का कारण बनता है। वह अपराधी का मूल स्वभाव नहीं होता है। ऐसी स्थिति में उसे सुधरने का मौका दिया जाना ही न्याय संगत होता है। बड़ी संख्या में लोग तर्क देते हैं, जघन्य अपराधों के लिए मौत की सजा जरूरी है। मृत्युदंड का भय अपराधियों में बना रहे, समाज में कानून का सम्मान हो। इससे अपराध कम होंगे। सवाल यह है, कि मृत्युदंड की सजा वाकई अपराध को रोकने में प्रभावी है? आंकड़े बताते हैं, कि उन देशों में जहां मौत की सजा दी जाती है। वहां अपराध की दर में कोई कमी नहीं आई है। इससे स्पष्ट है, कि मृत्युदंड की सजा भी अपराधों को रोकने में प्रभावी नहीं है। जितना मृत्युदंड के समर्थक कहते हैं। मानवाधिकारों के समर्थक मृत्युदंड को अमानवीय मानते हैं। उनका कहना है कि किसी भी स्थिति में इंसान को जीवन से वंचित करने का अधिकार किसी के पास नहीं होना चाहिए। न्यायिक गलतियों के मामले में, मृत्युदंड की सजा और भी खतरनाक साबित हो जाती है। एक बार यदि गलती से भी मृत्युदंड की सजा दे दी गई, तो उसे वापस नहीं लिया जा सकता है। कई उदाहरण हैं, जहां निर्दोष लोगों को मौत की सजा दी गई, जो बाद में न्यायालयों में गलत प्रमाणित हुईं। हाल ही में कन्हैया लाल की मौत के आरोपी को हाईकोर्ट ने जमानत दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने उसे गलत तरीके से आरोपी बनाकर जेल भेज दिया था। यदि उस घटना के तुरंत बाद उसे तत्काल न्याय के नाम पर मृत्यु दंड दे दिया जाता, तो क्या उसके साथ न्याय होता, क्या इस तरह से न्यायिक व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाकर रखा जा सकता है?

मौत की सजा के मुद्दे पर बहस जटिल और गहरी है। यह बहस समाज के नैतिक और कानूनी ढांचे के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाती है। हमारा लक्ष्य अपराधियों को सुधारना है, या उनसे बदला लेना? इसके बारे में सोचना जरूरी है। अपराधों को कम करना है। अपराधों को नियंत्रित करने के लिए और कौन से उपाय हो सकते हैं। इस सवाल का उत्तर खोजने पर ही मौत की सजा के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदला जा सकता है। आध्यात्मिक दृष्टि से बात करें, तो जन्म और मृत्यु पर ईश्वर का अधिकार है। इसमें जब मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता है। तो हम ईश्वर के अधिकारों की अवहेलना कर, मनमानी करना शुरू कर देते हैं। अपराधों पर नियंत्रण नैतिकता के आधार पर ही हो सकता है। यदि हम नैतिक हैं, तो अपराध करने से खुद ही अपने आप को रोकते हैं। दंड के कारण कभी अपराधों को रोका नहीं जा सकता है। मानव जीवन में क्षणिक आवेश या परिस्थितिजन्य कई बार ऐसे अपराध हो जाते हैं। जो सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं। जिसके द्वारा अपराध हुआ है, वह अपराधी का मूल स्वभाव नहीं था। अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए सामाजिक व्यवस्था में दंड का प्रावधान बहुत जरूरी है। दंड इस तरह का होना चाहिए, जिसमें अपराधी को सुधरने का मौका भी हो। उसे दंड मिलेगा, तभी बाकी के लोग अपराध करने से डरेंगे। अपराध करने वाला केवल अपराधी ही नहीं होता है, बल्कि उसमें बहुत से ऐसे गुण होते हैं, जिसके कारण वह समाज का बहुत भला भी कर सकता है। आदतन अपराधी और परिस्थिति जन्य क्षणिक आवेश में अपराध हो जाने पर, अपराधी को सुधरने का मौका देना ही सभ्य समाज का निर्माण संभव है। जेलों का निर्माण इसलिए भी किया जाता है। जहां पर अपराधी को सुधरने का मौका दिया जाए। जिस अपराधी को दंडित किया गया है, वह अपने मानव जीवन में परिवार और समाज के लिए मनुष्य जीवन के कर्म करके कुछ अच्छा भी कर सकता है। अपराध को लेकर उसमें अपराध के प्रति बोध है। दंड के रूप में उसे प्रायश्चित करने का मौका मिलना ही चाहिए। किसी भी जघन्य अपराध में तत्काल फांसी देकर उसका जीवन समाप्त कर देना, एक तरह का प्रतिशोध है। इसे न्याय व्यवस्था का अंग नहीं माना जा सकता है।

दल बदल कानून की प्रासंगिकता?

हरियाणा में 1967 में एक विधायक हुए थे गया लाल। एक दिन में ही कांग्रेस से जनता पार्टी में गए, फिर कांग्रेस में आए। वापस जनता पार्टी में सिधारे और फिर पुनः कांग्रेस में पधारे। उनकी इस क्रांतिकारी पहल ने ऐसी बयार चलाई कि देश में अगले 12 महीने में ही 400 से ज्यादा दल-बदल हुए। 116 दल बदलुओं ने मंत्रिपद का प्रसाद भी पाया। दल बदल विरोधी कानून की जरूरत महसूस कराने का श्रेय इन्हीं गया लाल जी को जाता है।

1972 से 75 का समय छोड़ दें तो राजनीति सारा समय जोड़ तोड़ पर टिकी रही। ऐसे ऐसे कारनामे हुए कि पूछिए मत। घर-घुसड़म्मा शब्द निराकार से साकार होता रहा। बच्चे नाम याद नहीं कर पाते थे और प्रधानमंत्री बदल जाता। एक तो ऐसे भी हुए जिन्होंने बिना संसद का सामना किए ही भूतपूर्व की गति पाई। अंततः1985 में दो तिहाई बहुमत वाली राजीव गांधी की सरकार के कार्यकाल में ही दल-बदल विरोधी कानून लागू हो सका। अपने राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ने , अन्य दल में शामिल होने, पार्टी के पक्ष के विपरीत वोट देने या वोटिंग से अलग रहने जैसे मामलों में जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित करने जैसे प्रावधान हुए।

सच्चा कानून तो यही होता कि दल बदलते ही बिना किसी किंतु-परंतु के सदस्यता चली जाए। मगर राजनीति एक घर छोड़कर चलती है। क्या पता कब जरूरत पड़ जाए? सो कानून में पतली गलियां रखी गईं। मसलन मूल राजनीतिक दल के दूसरे दल में विलय या दो-तिहाई सदस्यों से ज्यादा की विलय के लिए सहमति पर कानून लागू नहीं होगा। कालांतर में दलबदलू परंपरा में नए आयाम भी जुड़े। अन्य दल में शामिल होकर सौदेबाज़ी की ताक़त नहीं रहती। सो दल तोड़कर नया दल बनाने और समर्थन के लिए सौदेबाज़ी का नया अध्याय शुरू हुआ। आज इसी का बोलबाला है।

कानून में सदन के अध्यक्ष को सदस्य की अयोग्यता को लेकर फैसला करने का अधिकार हैं। वे दिन गए जब अध्यक्ष पार्टी निष्ठा त्याग निष्पक्ष रूप से कार्य करता था। आज उसका अपनी पार्टी के मामले में निष्पक्ष रहना कल्पना से परे है। अध्यक्ष द्वारा फैसला सुनाने की कोई समय सीमा निश्चित नहीं है। फैसला लटकाकर अदालत जाने का दरवाजा मजे से रोका जा सकता है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस के विभाजन का घटनाक्रम ताजा उदाहरण है। चुनाव सुधारों पर गठित दिनेश गोस्वामी कमेटी की सिफारिश है कि अयोग्यता पर फैसले का अधिकार राष्ट्रपति या राज्यपाल को हो जो चुनाव आयोग की सलाह पर काम करे। मगर संवैधानिक पदों की गरिमा का जैसा अवमूल्यन हुआ है उसके चलते लगता नहीं कि ऐसी सिफारिश लागू होने पर भी परिस्थितियां बदलेंगी।

आज राजनीति सेवा नहीं व्यवसाय है और चुनाव इंवेस्टमेंट। चनावी खर्च की निर्धार्रित सीमा देख कर हंसी आती है। प्रत्याशियों द्वारा दिए खर्च का ब्यौरा मसखरी लगता है। पार्टी और विचारधारा के प्रति निष्ठा के दिन लद गए हैं। व्यक्तिगत लाभ के लिए पाला बदलने में नेता दो मिनट भी नहीं लगाते। चुनाव में पैसा लगाया है तो निकालना तो पड़ेंगा न? इसी कार्यकाल में। फिर मौका मिले या नहीं?

240 की संख्या पर रुक गई केंद्रीय भाजपा सरकार छोटी पार्टियों के समर्थन पर मजबूर है। स्पष्ट बहुमत नहीं है मगर बिना विचार विमर्श निर्णय लेने की संसदीय निरंकुशता क़ायम है। अंग्रेजी कहावत है : ओल्ड हैबिट्स डाई हार्ड। पुरानी आदतें जल्दी नहीं जातीं। कदम उठाते हैं कि वापस लेना पड़ता है। कलेजा छटपटाता हैः ऐसा कब तक चलेगा? दूसरों के घर तोड़कर खुद का घर बसाने की उसकी क्षमता दस सालों में दसियों बार साबित हुई है। कम सदस्यों वाली पार्टियों में दल-बदल कराना बनिस्बत सरल भी है। इसलिए समर्थक दल सशंकित हैं। जाने कब यह आग उनके अपने दरवाजे तक पहुंच जाए? जब तब असंतोष दिखा देते हैं। मगर सत्ता की गोंद चिपकाए हुए है।

दलीय चुनावी प्रक्रिया में मतदाता व्यक्ति नहीं बल्कि पार्टी की विचारधारा को वोट देता है। वरना पार्टियों की टिकट के लिए यूं मारामारी न होती। सदन निर्दलीयों से भरे होते। अपने जनप्रतिनिधि के दल बदलने पर भौंचक मतदाता स्वयं को ठगा महसूस करता है। सोचता है, उस विचारधारा का क्या हुआ जिसके खिलाफ या समर्थन में उसने वोट दिया था?

हिमाचल सरकार ने दलबदलू विधायकों को पेंशन न देने का विधेयक पास किया है। दगाबाजों को जनता की गाढ़ी कमाई से पैंशन पाने का अधिकार होना भी नहीं चाहिए। कदम सराहनीय है मगर पर्याप्त नहीं। दल बदल के फायदों के सामने पेंशन की हैसियत मूंगफली से ज्यादा नहीं है।

सवाल लाजिमी है : क्या दल बदल कानून वर्तमान स्वरूप में प्रासंगिकता खो चुका है? जवाब यकीनन हां होगा। कानून प्रभावी होता तो दलबदल कब का रुक गया होता। यह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए मतदाता से किया गया प्रजातांत्रिक विश्वासघात है। इसके लिए बिना किसी किंतु परंतु के सदन से अयोग्यता के अलावा कोई भी सजा कम है। अगर नेता को मुगालता है कि उसे जनमत पार्टी विचारधारा नहीं बल्कि खुद की लोकप्रियता के दम पर मिला है तो जाए और पुनः जनमत प्राप्त करे। चुनाव में हुए सरकारी खर्च का समानुपातिक व्यय वसूल करने जैसी कड़ी शर्त भी रखी जा सकती है। अगर ऐसे कड़े प्रावधान नहीं बने तो दल-बदल धर्म के आराध्य देव गयालाल जी की बनाई यशश्वी परंपरा सदैव कायम रहेगी। (लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

भारत विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकडें जारी कर दिए गए हैं एवं हर्ष का विषय है कि भारतअभी भी विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2023) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई थी तथा पिछली तिमाही (जनवरी मार्च 2024) में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रेल-जून 2024 तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। पिछले लगातार 5 तिमाही के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में यह सबसे कम वृद्धि दर है। हालांकि चीन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई है तथा विश्व की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर भारत की तुलना में अभी भी बहुत कम बनी हुई है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में कम हुई वृद्धि दर के पीछे कुछ महत्वपूर्ण कारण बताए गए है। प्रथम तो इस तिमाही में लोक सभा चुनाव सम्पन्न हुए हैं जिसके चलते आम जनता ने अपने खर्चे को रोक रखा था। साथ ही, लोक सभा चुनाव के समय केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई भी बड़ा निर्णय नहीं लिया जा सकता है जिसके चलते सरकारों को अपने खर्चों को नियंत्रण में रखना होता है, इससे देश की विकास दर पर प्रभाव पड़ता है। दूसरे, इस तिमाही के दौरान देश में अत्यधिक गर्मी के चलते पर्यटन एवं कृषि के क्षेत्र में विकास दर अत्यधिक कम हो गई है। कृषि के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में वृद्धि दर केवल 2 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3.7 प्रतिशत की रही थी। परंतु, वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में मानसून ने लगभग पूरे देश में तेज गति पकड़ ली है अतः विभिन्न फसलों के बुआई के क्षेत्र में अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है इसलिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय एवं तृतीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर एवं अक्टोबर-दिसम्बर 2024) में कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर के आकर्षक रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। खरीफ मौसम की फसल के साथ ही अब रबी मौसम की फसल में भी अच्छी वृद्धि दर रहने की सम्भावना है क्योंकि देश के विभिन्न जलाशयों में पानी के संचयन में भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जिसे कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इन्हीं कारणों के चलते वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडीज ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के आर्थिक विकास दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, मूडीज ने पहिले यह अनुमान 6.8 प्रतिशत का लगाया था।

विनिर्माण इकाईयों द्वारा किए गए उत्पादन में अप्रेल-जून 2024 की तिमाही में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। निर्माण के क्षेत्र में 8.6 प्रतिशत एवं सेवा के क्षेत्र में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ट्रेड, ट्रान्स्पोर्ट, होटल, टेलिकॉम की ग्रोथ 5.7 प्रतिशत की रही है। विनिर्माण, निर्माण एवं कोर इंडस्ट्री को मिलाकर बनने वाले सेकेण्डरी सेक्टर में वृद्धि दर बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में यह 5.9 प्रतिशत की रही थी जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 8.4 प्रतिशत की हो गई है। यह वृद्धि दर देश में निजी उपभोग के बढ़ने की ओर इशारा कर रही है।

विश्व में बहुत लम्बे समय से चल रहे दो युद्धों के बीच भारत की उक्त आर्थिक विकास दर अच्छी विकास दर ही कही जाएगी। एक युद्ध तो रूस यूक्रेन के बीच चल रहा है एवं दूसरा इजराईल एवं हम्मास के बीच चल रहा है। इजराईल के साथ युद्ध में तो लेबनान एवं ईरान भी कूदने को तैयार बैठें हैं। साथ ही, यूरोपीयन देशों में कुछ देशों की आर्थिक विकास दर में कमी होती दिखाई दे रही है। जापान एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं में भी विकास दर में कमी आंकी गई है। जर्मनी एवं चीन भी अपनी अपनी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर को बढ़ाने हेतु संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जापान एवं जर्मनी में यदि विकास की रफ्तार कम होती है एवं भारत की आर्थिक विकास दर यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ती है तो शीघ्र ही भारत, जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जापान एवं जर्मनी ही भारतीय अर्थव्यवस्था से थोड़ा आगे बने हुए हैं।

अर्थ से सम्बंधित कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत सराहनीय प्रगति करता हुआ दिखाई दे रहा है। जैसे -

(1) पिछली तिमाही में भारत के निर्यात में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि दर केवल एक प्रतिशत की रही है।

(2) बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में लगातार वृद्धि दर 15 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर) एवं विनिर्माण के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर) बनी हुई है। इससे देश की अर्थव्यवस्था के तेज गति से आगे बढ़ने के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं।

(3) वित्तीय वर्ष 2024-25 में जुलाई 2024 माह के अंत तक समाप्त अवधि के दौरान केंद्र सरकार की कुल आय 10.23 लाख करोड़ रुपए की रही है। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय के कुल बजट का 31.9 प्रतिशत है और इसमें 7.15 लाख करोड़ रुपए की करों की मद से आय तथा 3.01 लाख करोड़ रुपए की अन्य मदों से आय भी शामिल है।

(4) इस दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रण में रहा है एवं यह 2.77 लाख करोड़ रुपए तक सीमित रहा है जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के कुल बजटीय घाटे का केवल 17.2 प्रतिशत ही है।

(5) इसी प्रकार विदेशी मुद्रा भंडार भी 23 अगस्त 2024 को समाप्त हुए सप्ताह में 702 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 68,168 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 454 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 67,466 करोड़ अमेरकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था।

(6) जुलाई 2024 माह में 8 कोर सेक्टर (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट, उर्वरक, इस्पात, सिमेंट एवं बिजली उत्पादन के क्षेत्र) में वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत की रही है जो जून 2024 माह में 5.1 प्रतिशत की रही थी।

(7) भारत में प्रत्येक 5 दिनों में एक बिलिनायर (भारतीय नागरिक जिसके पास 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति है) बन रहा है। 2014 में भारत में 109 बिलिनायर थे जो आज बढ़कर 334 हो गए हैं। जिनकी कुल सम्पत्ति 1.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है जो सऊदी अरब के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक है। इसी प्रकार, भारत के बिलिनायर की सम्पत्ति भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद के आधे से भी अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था तो प्रत्येक तिमाही में बढ़ रही है परंतु यदि यह सम्पत्ति केवल बिलिनायर की संख्या बढ़ाने के रूप में बढ़ रही है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि इससे तो देश में अमीरों एवं गरीबों के बीच में असमानता की खाई भी बढ़ती जा रही है और इस खाई को शीघ्र ही पाटने के प्रयास किए जाने चाहिए।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में कम हुई आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के उद्देश्य से क्या अब भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कमी कर सकता है। अब यह प्रश्न अर्थशास्त्रियों के मन में उभर रहा है। इस बीच अमेरिका में भी फेड रिजर्व के अध्यक्ष ने अमेरिका में ब्याज दरों को सितम्बर 2024 माह में कम करने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। (लेखक - प्रहलाद सबनानी/ईएमएस)

दण्ड संहिता संशोधन - ममता का संवैधानिक अतिक्रमण....?

भारतीय प्रजातंत्र में इससे बड़ा मजाक क्या होगा कि अब राज्य सरकारें संसद के अधिकारों पर अतिक्रमण कर संविधान में संशोधन अपनी विधानसभा के माध्यम से कराये? किंतु अब हमारे संविधान के साथयह मजाक शुरू हो गया है, जिसकी शुरूआत पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने कर दी है, इस राज्य की सरकार ने भारतीय दण्ड संहिता में संशोधन का अधिकार संसद की उपेक्षा कर अपने हाथों में ले लिया तथा दुष्कर्मियों को फांसी देने वाला संविधान संशोधन (दण्ड संहिता संशोधन) वाला प्रस्ताव अपनी विधानसभा से पारित करवा लिया और अब इसे राष्ट्रऋपति की मंजूरी के लिए भेजने का फैसला लेकर पुनः एक बार संसद के अधिकार पर अतिक्रमण की जुर्रत करने की तैयारी की जा रही है, यह भी कहा जा रहा है कि यह कानूनी संशोधन देश के सभी राज्यों पर लागू होगा, आखिर पश्चिम बंगाल सरकार यह सब हमारे संविधान की कौन सी धारा के तहत् करने जा रही है?

यह माना कि कलकत्ता में एक महिला चिकित्सक के साथ घटी घटना राष्ट्रीय शर्म का विषय है और उस पर राष्ट्रव्यापी आक्रोश व्यक्त करना भी सही है, लेकिन इसका मतलब यह तो नही कि पश्चिम बंगाल की सरकार अपनी विधानसभा में संवैधानिक दण्ड प्रक्रिया संहिता में संशोधन का प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रपति की मंजूरी को भेज दे? संवैधानिक प्रक्रिया के तहत् उसे अपनी विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर संसद तथा केन्द्र सरकार को पारित करवाने के लिए भेजना चाहिए था और उसे संसद से पारित होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी, उसके बाद संसद ही दण्ड प्रक्रिया कानून में संशोधन कराने की वैधानिक अधिकारी थी, किंतु यदि हमारी राज्य सरकारें इस तरह संसद व केन्द्र के अधिकार अपने हाथ में लेकर ऐसे प्रस्ताव पारित करेगी तो फिर हमारे संविधान का क्या महत्व रह जाएगा? और फिर हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्थाओं का क्या हश्र होगा?

यह एक गंभीर विचार विमर्श का विषय है, जिस पर न सिर्फ केन्द्र व राज्य सरकारों बल्कि हमारे संविधान के जानकार विद्वानों को भी गंभीर विचार करना चाहिए, हमारे संविधान व कानून को राजनीतिक हथियार बनाना और उनके माध्यम से राजनीतिक लड़ाई लड़ना कहां तक उचित है? क्या अब हमारे माननीय राजनेता और उनके राजनीतिक दल अपनी संवैधानिक मर्यादा भी भूल गए? जो उन्होंने संसद, विधानसभा और संविधान व कानून को राजनीतिक संघर्ष का हथियार बना लिया? हमारे राजनेताओं व उनके दलों की इस 'करनी' को कौन सी श्रेणी में रखा जाए? क्या हमारे व्यक्तित्व, राजनीति और उसके साथ हमारी सोच का स्तर इतना गिर गया?

यह एक गंभीर चिंतनीय विषय है, जिस पर सभी को मिल-बैठ कर गंभीर विचार-विमर्श व चिंतन करना चाहिए। (लेखक – ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

शक वर्ष का शक का निराकरण

शक तथा संवत्सर का प्रायः समान अर्थ है, किन्तु थोड़ा अन्तर है। चान्द्र तिथि के अनुसार पर्व होते हैं (संक्रान्ति के अतिरिक्त) क्योंकि चन्द्र मन का कारक है-चन्द्रमा मनसो जातः (पुरुष सूक्त)। किन्तु तिथि क्रमागत दिन में नहीं होती है, अतः क्रमागत दिन की गणना के लिए एक अलग व्यवस्था करनी पड़ती है, जिसे शक कहते हैं। एक ही लेखक ने गणना के लिए शक तथा पर्व निर्णय के लिए संवत्सर का प्रयोग किया है। अतः शक-संवत्सर शब्द का कोई अर्थ नहीं है। शक या संवत् कोई भी आरम्भ करने वाले को शक-कर्त्ता कहा गया है।

शक वर्ष का शक जातियों से कोई सम्बन्ध नहीं है। मध्य एशिया, दक्षिण तथा पूर्व यूरोप की बिखरी जातियों को शक कहते थे। ज्योतिर्विदाभरण में रोम के राजा को भी शक कहा है। अल बिरुनी के अनुसार (ण्ह्दिहदत्तुड्ढ र्द्दहम्ग्हू्ॅन्दिहे-्हूर्हिर्तू्र् ड्र र्एिर्म्लि) किसी भी शक राजा ने अपना कैलेण्डर आरम्भ नहीं किया था। वे ईरान या सुमेरिया का कैलेण्डर मानते थे। यदि भारत के पश्चिमोत्तर के शक अपना कैलेण्डर चलाते तो शकारि विक्रमादित्य के काल में उनका कैलेण्डर नहीं चलता। विक्रमादित्य ने अपना स्वयं का कैलेण्डर आरम्भ किया जो आज तक चल रहा है। उनके प्रपौत्र शालिवाहन का शक गणना के लिए व्यवहार होता है, जैसे हेमांगद ठक्कुर की ग्रहण-माला में। केवल पश्चिमोत्तर भारत के बदले कम्बोडिया तथा फिलिपीन के अभिलेखों में भी शालिवाहन शक का प्रयोग है (फिलिपीन का लुगुना अभिलेख)। वहां तक विक्रमादित्य का परोक्ष शासन या प्रभाव का यह प्रमाण है।

शक जातियों का क्षेत्र जम्बू द्वीप का केन्द्र तथा प्लक्ष द्वीप का दक्षिण भाग था। किन्तु शक द्वीप आस्ट्रेलिया था। एक का चिह्न कुश (1) है। यह दो प्रकार से शक्तिशाली हो कर शक होता है-बड़े कुश या स्तम्भ आकार का वृक्ष, या कुशों का गट्ठर। मानसिक रूप से दिनों का समूह या अहर्गण कुश का गट्ठर है जिसे शक कहते हैं। इस अर्थ के कारण कई इतिहासकारों ने लिखा है कि सुमेरिया, मिस्र तथा मेक्सिको के मय 5,000 वर्षों की गणना के लिए प्रतिदिन 1-1 कुश जोड़ते थे। यह व्यवस्था एक वर्ष भी चलाना कठिन है, कुश नष्ट हो जायेगा। 5,000 वर्ष तक कोई भी संस्था या शासन नहीं रहा है। बड़े कुश या स्तम्भ की तरह का मुख्य वृक्ष उत्तर भारत में साल (शक = सखुआ) तथा दक्षिण भारत में टीक (शकवन = सागवान) है। सखुआ हिमालय की तराई में होता है किन्तु विशिष्ट भूमि तथा जलवायु के कारण शकवन की एक शाखा गोरखपुर से रोहतास, पलामू, पश्चिम ओड़िशा से होते हुए दक्षिण ओड़िशा के मलकान (माल्यवन्त) गिरि के बालिमेला तक गयी है जहां भगवान राम ने 7 साल वृक्षों को भेदा था। यह भारत के भीतर लघु शक द्वीप है जहां के शाकद्वीपीय जाती के हैं।

आस्ट्रेलिया में 300 प्रकार के युकलिप्टस वृक्ष स्तम्भ जैसे हैं, अतः इसे शक द्वीप कहते थे। इसका पश्चिमोत्तर भाग गभस्तिमान (पपुआ न्यूगिनी) का एक भाग जम्बू द्वीप में भी वर्णित है।

संवत्सर के भी कई अर्थ हैं-

सम्+ वत् + सरति = समान गति से चलता है। क्रमागत दिन गणना के शक के अनुसार इसकी तिथि चलती है। या समाज इसके अनुसार चलता है।

त्सर छद्म गतौ-के अनुसार पृथ्वी कक्षा या क्रान्तिवृत्त भी संवत्सर है जिस काल में पृथ्वी का एक चक्र होता है। इसका मार्ग हर विन्दु पर मुड़ रहा है। सूर्य से 1 संवत्सर में प्रकाश जितनी दूर तक जाता है, अर्थात सूर्य केन्द्रित 1 प्रकाश वर्ष का गोल संवत्सर है। यह माप कई प्रकार से है-सूर्य व्यास का 157.5 लाख गुणा (विष्णु पुराण, 2/8/4), पृथ्वी व्यास का 2 घात 30 गुणा (ऋग्वेद, 10/189/3) आदि।

पृथ्वी के भीतर 3 तथा बाहर सौरमण्डल में 30 धाम हैं। इन धामों के प्राण 33 देव हैं जिनके चिह्न क से ह तक 33 अक्षर हैं। यह लिपि चिह्न रूप में देवनगर होने से देवनागरी है। संवत्सर गोल 33 देवों का क्षेत्र होने से संवत्सर का अर्थ देव या देवगृह भी है।(लेखक-संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8122

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -8121 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

शूटिंग खिलाड़ी चेतन हेमंत सप्कल ने जीता काँस्य

दूसरी वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप में अब तक जीते 3 पदक

भोपाल(ईएमएस)। दूसरी वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप-2024 का आयोजन 29 अगस्त से 8 सितम्बर तक हानॉवर, जर्मनी में किया जा रहा है। खेल अकादमी के खिलाड़ी चेतन हेमंत सप्कल ने 25 मीटर स्टेण्डर्ड पिस्टल के व्यक्तिगत इवेन्ट में काँस्य पदक अर्जित किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने इस उपलब्धि पर खिलाड़ी चेतन हेमंत सप्कल को बधाई दी है। चेतन ने इस प्रतियोगिता में एक रजत, दो काँस्य के साथ कुल 3 पदक अपने नाम कर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। मध्यप्रदेश से वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप में 3 पदक जीतने वाले वह पहले खिलाड़ी बन गये हैं।

चेतन इसी वर्ष खेल अकादमी से जुड़े। प्रतिभा चयन कार्यक्रम के माध्यम से चेतन का चयन अकादमी में हुआ। मुख्य प्रशिक्षक पी.एन. प्रकाश और सहायक प्रशिक्षक जयवर्धन के मार्गदर्शन में चेतन राज्य खेल अकादमी में प्रशिक्षणरत हैं। चेतन ने प्रतियोगिता में मेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल टीम इवेन्ट में रजत, 25 मीटर रेपिड फायर मेन पिस्टल व्यक्तिगत इवेन्ट में काँस्य और 25 मीटर स्टेण्डर्ड पिस्टल व्यक्तिगत इवेन्ट में काँस्य पदक हासिल किया है।

नेशनल तैराकी में दुर्विशा पवार ने एक स्वर्ण सहित 3 पदक जीते

भोपाल(ईएमएस)। केवीएस नेशनल तैराकी प्रतियोगिता-2024 का आयोजन 4 से 7 सितम्बर तक नई दिल्ली स्थित ताल कटोरा स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश राज्य ट्रायथलॉन अकादमी भोपाल की खिलाड़ी दुर्विशा पवार ने तैराकी में शानदार प्रदर्शन कर एक स्वर्ण, 2 रजत, इस प्रकार कुल 3 पदक अर्जित किये। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दुर्विशा पवार के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। दुर्विशा पवार खेल अकादमी की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। दुर्विशा पूर्व में जूनियर वर्ल्ड ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। दुर्विशा पवार खेल अकादमी के प्रशिक्षक कैप्टेन मनोज झा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत है।

जूनियर एशियन रोइंग चैम्पियनशिप में 3 खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

भोपाल(ईएमएस)। जूनियर एशियन रोइंग चैम्पियनशिप का आयोजन 11 से 15 सितम्बर तक शेनयान चीन में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भारतीय टीम में मध्यप्रदेश राज्य रोइंग अकादमी के 3 खिलाड़ी और एक प्रशिक्षक चयनित हुए हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों में डबल स्कल इवेन्ट में हरिओम ठाकुर, क्वर्टर पुल स्कल्स में जिज्ञासा रैगर और संतोष यादव एवं राज्य खेल अकादमी के सहायक प्रशिक्षक रतीश डी.बी. भी शामिल हैं।

प्रतियोगिता में एशिया की सभी टॉप टीमें भागीदारी करेंगी। खेल अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक अर्जुन अवार्डी कैप्टेन दलबीर सिंह का विश्वास है कि चयनित खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पदक की उम्मीद की जा रही है। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के पहले जमकर अभ्यास भी किया है। भारतीय टीम में चयनित खेल अकादमी के रोइंग खिलाड़ियों को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बेहतर प्रदर्शन के लिये शुभकामनाएँ दी हैं।

भारतीय हॉकी टीम आज अपने अभियान की शुरुआत चीन के खिलाफ मुकाबले से करेगी

बीजिंग (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम रविवार से यहां मेजबान चीन के मोकी ट्रेनिंग बेस में शुरु होने वाली हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम यहां अपने अभियान की शुरुआत पहले ही दिन चीन के खिलाफ मुकाबले से करेगी। भारतीय टीम इस बार भी यहां जीत दर्ज कर अपना खिताब बरकरार रखने का प्रयास करेगी। इस टूर्नामेंट में भारत को जापान, पाकिस्तान, कोरिया के साथ ही गत उपविजेता मलेशिया से कड़ी टक्कर मिलेगी।

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में पिछले चार खिताब जीत है। जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसके अलावा भारतीय टीम ने लगाता दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक भी जीता है। ऐसे में भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह यहां एक बार फिर टीम को जीत दिलाकर एशिया में अपना दबदबा बनाये रखना चाहेगी। हरमनप्रीत ने कहा, 'पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही शुरुआत हासिल करने में सहायता की जिसका लाभ हुआ और हम पेरिस ओलंपिक खेलों में जीत हासिल कर तीसरा स्थान बनाये रखने में सफल रहे।

इस बार भी हम इस टूर्नामेंट को जीतकर नए सिरे से ओलंपिक चक्र शुरू करना चाहते हैं हालांकि इस टूर्नामेंट में हमारे ओलंपिक टीम के दस खिलाड़ी ही खेल रहे हैं पर इस बार टीम में शामिल युवा खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर प्रभावित करना चाहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारे आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं पर हम जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ एक विशेष रणनीति से खेलना चाहते हैं।

भारतीय महिला पहलवान निकिता ने जीता रजत, नेहा को मिला कांस्य

पोंटेवेद्रा (ईएमएस)। भारत की दो महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करते हुए रजत और कांस्य पदक जीते हैं। निकिता ने के 62 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत जबकि नेहा ने 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। निकिता को फाइनल में यूक्रेन की पहलवान इरीना बोंदर के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं नेहा को 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में हंगरी की गेरडा टेरेक ने 10-8 से हराया।

इसी के साथ ही भारत ने इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल पांच पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं भारत की ही ज्योति बेरवाल ने यहां महिलाओं की 76 किलोग्राम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जबकि कोमल ने महिला 59 किग्रा और सृष्टि ने महिला 68 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

डीआरएस से बल्लेबाजों को तकनीक सुधारने में सहायता मिलेगी : अश्विन

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि घरेलू क्रिकेट सत्र में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) लाने से होने वाला लाभ आने वाले दिनों में दिखने लगेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां दलीप ट्रॉफी से शुरु हुए घरेलू सत्र में डीआरएस तकनीक का इस्तेमाल शुरु कर दिया है। अश्विन के अनुसार डीआएस आने से बल्लेबाजों को अपनी तकनीक में सुधार करने में सहायता मिलेगी।

अश्विन ने कहा कि दिलीप ट्रॉफी में भारत डी की ओर से खेले रहे बल्लेबाज रिकी भुई की बल्लेबाजी तकनीक की कमजोरी डीआरएस से ही सामने आई। इसमें दिखा कि उन्होंने पैड के पीछे बल्ला रखा जिसके आउट होने में अहम भूमिका निभाई। इसलिए घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस केवल एलबीडब्लू को लेकर सही फैसले लेने के लिए ही नहीं बल्कि बल्लेबाज की तकनीकी कमी को सामने लायेगा।

अश्विन ने कहा, डीआरएस से पहले के दिनों में बल्लेबाजों को एलबीडब्लू की अपील पर संदेह का लाभ मिलता था इसलिए इसलिए उसे नॉट आउट दिया जाता था क्योंकि वे फ्रंट फुट पर आ जाते थे। वहीं अब अपने बल्ले को पैड के पीछे रखना नुकसान रहेगा। ऐसे में एक ही गलती दोहराने के कारण उसका करियर भी खतरे में आ सकता है।

ओली पोप ने शतकों का अनौखा रिकार्ड बनाया

द ओवल (ईएमएस)। इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे ओली पोप ने श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले जा रहे तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन शतक लगाने के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड अपने नाम किया है। ओली का ये सातवां शतक है। उन्होंने अपने ये शतक सभी सात अलग अलग टीमों के खिलाफ बनाए हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने श्रीलंका से पहले दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, भारत, वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 शतक लगाये थे। ओली ने अपनी 103 रन की पारी में कुल 13 चौके और 2 छक्के लगाए।

इस मैच में बेन डकेट ने भी 86 रनों की पारी खेली पर वह शतक नहीं लगा पाये। उन्होंने अपनी इस पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाये। वह मिलन रत्नायके का शिकार बने। इंग्लैंड ने पहले ही ओल्ट ट्रैफर्ड और लाड्र्स पर दो टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

दलाल स्ट्रीट हुआ लाल पांच लाख करोड़ रुपये स्वाहा

सितंबर में अब तक अमेरिकी बाजार नहीं चढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। शेयर बाजार के लिए यह महीना अब तक अच्छा नहीं रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार इस माह में अब तक एक भी दिन नहीं चढ़ा है। एक हफ्ते में ही एसएंडपी 500 इंडेक्स में शामिल कंपनियों का मार्केट कैप 2.2 ट्रिलियन डॉलर कम हो चुका है। ऐतिहासिक रूप से सिंतबर का महीना शेयर मार्केट्स के लिए अच्छा नहीं रहता है। यहां वहीं महीना रहा है जब शेयर मार्केट्स ने औसत निगेटिव रिटर्न दिया है। शुक्रवार को भारत सहित दुनियाभर के शेयर मार्केट में गिरावट आई। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 1,200 अंक तक गिरा जिससे निवेशकों के पांच लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

अमेरिकी कंपनियों में सबसे ज्यादा गिरावट एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में रही। कंपनी के शेयरों में 8.45 फीसदी गिरावट आई। इसके साथ ही कंपनी दुनिया की सबसे ज्यादा मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में 11वें नंबर पर पहुंच गई। एनवीडिया और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में चार फीसदी से अधिक गिरावट देखी गई। जबकि ऐमजॉन और फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयर तीन फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए।

इस गिरावट से अमेरिका के टॉप अरबपतियों की नेटवर्थ में भी गिरावट आई। मस्क को सबसे ज्यादा 13 अरब डॉलर का भारी नुकसान हुआ।

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी कोषों की ताजा निकासी की वजह से घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज हुई। सेंसेक्स 1,017 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी ने 293 अंक का गोता लगाया। यह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का लगातार तीसरा सत्र रहा।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में एसबीआई में सर्वाधिक चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। इसके अलावा एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और आईटीसी के शेयरों में भी नुकसान रहा। दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और मारुति सुजुकी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में निकट अवधि का रुझान अमेरिका में रोजगार के आगामी आंकड़ों से प्रभावित होगा।

पीएम मोदी का मुस्लिम देशों की ओर झुकाव, पाकिस्तान जला

-बिजनेसमैन साजिद बोले- भारत कर रहा तरक्की, हम आपस में लड़ रहे हैं

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारत से करीब आठ हजार किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व एशिया में एक देश है ब्रुनेई। जहां का हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने दौरा किया था। करीब साढ़े चार लाख की आबादी वाला ब्रुनेई मुस्लिम देश है। यहां के सुल्तान हसनल बोल्किया ने पीएम मोदी को ब्रुनेई आने की दावत दी थी। नरेंद्र मोदी भारत के पहले पीएम हैं, जिन्होंने ब्रुनेई देश का दौरा किया।

पीएम मोदी के ब्रुनेई दौरे की पाकिस्तान में खूब चर्चा हो रही है। एक मुस्लिम देश की भारत से नजदीकी ने पाकिस्तान को हैरान कर दिया है। पाकिस्तान में विशेषज्ञ इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि पीएम मोदी लगातार मुस्लिम देशों से संबंध सुधार रहे हैं। वहीं पाकिस्तानी विशेषज्ञ कमर चीमा ने भारत की बढ़ती ताकत को लेकर अमेरिका में बसे पाकिस्तानी मूल के राजनेता और बिजनेसमैन से साजिद तरार से बात की।

इसके साथ ही कमर ने सवाल भी उठाया कि आखिर पाकिस्तान अपने पड़ोसी भारत से इतना पीछे कैसे हो गया। कमर ने कहा कि पीएम मोदी ने मुस्लिम देशों में जाना तेज कर दिया है। उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई कि ब्रुनेई के अंदर भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो का स्टेशन भी मौजूद है।

बिजनेसमैन साजिद ने पीएम मोदी के सिंगापुर दौरे का भी जिक्र किया और कहा कि वहां दोनों देशों के बीच चार समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इनमें सेमीकंडक्टर भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत दक्षिणी चीन सागर के देशों में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। साजिद ने आगे कहा कि आज देखा जाए तो भारत तरक्की कर रहा है। चीन भी आगे बढ़ रहा है लेकिन चीन अपनी चालबाजियों से ऐसा कर रहा है। वहीं, पाकिस्तान लगातार गर्त में जा रहा है क्योंकि हम आपस में ही लड़ रहे हैं।

कमर ने कहा कि ब्रुनेई की आबादी पांच लाख से भी कम है लेकिन भारत इतने छोटे से देश को भी महत्व दे रहा है। उन्होंने तंज कसा कि शायद पाकिस्तान को पता भी नहीं होगा कि ब्रुनेई दुनिया के नक्शे में कहां स्थित है। इस पर साजिद ने कहा पीएम मोदी का ब्रुनेई दौरा बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत ब्रुनेई से तेल लेता है। इसके अलावा वह ब्रुनेई के साथ सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर कर रहा है। ब्रुनेई और भारत दोनों का चीन दुश्मन है। दक्षिणी चीन सागर में चीन की आक्रामक गतिविधियां ब्रुनेई के लिए खतरा बनी हैं।

बांग्लादेश में हिंसा के बाद अब राष्ट्रगान और झंडे को लेकर लोग सड़कों पर उतरे

-बदीउर्रहमान ने कहा- राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान हमारी पहचान, नहीं बदलने देंगे

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी अंतरिम सरकार में बहुत कुछ बदला जा रहा है। वहीं अब कुछ संगठनों की राष्ट्रगान और झंडे को बदलने की मांग के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए हैं। बांग्लादेश के प्रमुख सांस्कृतिक संगठन उडिच्ची शिल्पी गोष्ठी के अध्यक्ष प्रोफेसर बदीउर्रहमान ने नए राष्ट्रगान और झंडे की मांग के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन किया।

राजधानी ढाका में उडिच्ची शिल्पी और कुछ दूसरे संगठनों ने कहा कि देश के राष्ट्रगान और राष्ट्रध्वज के खिलाफ एक साजिश रची जा रही है। एक मुहिम के तहत झंडे और राष्ट्रगान पर हमले हो रहे हैं। ऐसी किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उडिच्ची शिल्पी गोष्ठी ने जमात-ए-इस्लामी के नेताओं के बयान के विरोधों में ये प्रदर्शन किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े लोगों ने रवीन्द्रनाथ टैगोर के लिखे राष्ट्रगान को गाकर और झंडा फहराकर अपनी एकजुटता दिखाई।

बदीउर्रहमान ने कहा कि 1971 का मुक्ति संग्राम हमारा सबसे बड़ा गौरव है और हम इसके खिलाफ किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। हमारा राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज हमारी उपलब्धि है, जिसके लिए लाखों लोगों ने अपनी कुर्बानियां दी हैं। खून और बलिदान के बदले में अर्जित किए गए गौरव को हम ऐसे ही नहीं बदलने दे सकते।

बदीउर्रहमान ने कहा कि हम देश की गौरवशाली उपलब्धि को धूमिल नहीं होने देंगे। जब भी हम अपने मुक्ति संग्राम, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान के खिलाफ कोई साजिश देखेंगे तो आवाज उठाएंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि मुक्ति संग्राम, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान हमारी पहचान है, इसके बिना हम अधूरे हैं। ऐसे में अपनी पहचान के लिए हम लड़ेंगे।

बांग्लादेश में राष्ट्रगान और झंडे पर विवाद के बीच जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश के नेता का हालिया बयान है। बता दें विगत दिवस जमात-ए-इस्लामी के पूर्व अमीर गुलाम आजम के बेटे अब्दुल्लाहिल अमान आजमी ने कहा था कि देश के पुराने राष्ट्रगान की जगह नया राष्ट्रगान आना चाहिए। आजम ने बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई पर भी सवाल उठाए। इस पर देश के कई संगठन भड़के गए।

टोर्नेडो कैश के जरिए हैकर्स ने एथेरियम ईटीएफ की लूट की

नई दिल्ली (ईएमएस)। 2,000 करोड़ रुपए (लगभग 234 मिलियन) की वजीर एक्स चोरी के पीछे के हैकर्स ने चुराए गए डिजिटल संपत्तियों को निकालना शुरू कर दिया है और टोर्नेडो कैश प्लेटफॉर्म के माध्यम से 12 मिलियन डॉलर से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग की है। रिपोर्ट के अनुसार, टोर्नेडो कैश के जरिए हैकर्स ने 12 मिलियन डॉलर से अधिक की एथेरियम (ईटीएफ) की लूट की है, जिसमें लगभग 2 मिलियन डॉलर की ईटीएफ की जमा भी शामिल है। हैकर ने 5,000 ईटीएफ (जिसकी कीमत 12 मिलियन है) को एक नए पते पर ट्रांसफर किया है और चुराए गए फंड्स की मनी लॉन्डरिंग के टोर्नेडो कैश माध्यम से शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, वजीर एक्स हैकर्स की मनी लॉन्डरिंग तकनीक उत्तर कोरिया समर्थित समूह की तकनीक से मिलती-जुलती है, जो वैश्विक क्रिप्टो चोरी के मामलों में शामिल है।

वजीर एक्स ने स्वीकार किया है कि इसके लगभग 43 प्रतिशत उपयोगकर्ता डिजिटल संपत्तियों की चोरी के कारण अपने पैसे खो सकते हैं। प्लेटफॉर्म ने कहा है कि ग्राहकों को संभवत: अपने निवेश का 43 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है। वजीर एक्स ने सिंगापुर हाईकोर्ट से छह महीने की सुरक्षा की मांग की है जबकि वह अपने दायित्वों का पुनरवर्गन कर रहा है।

भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज कॉइनस्वि ने वजीर एक्स पर मुकदमा दायर किया है ताकि शेटटी द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म पर फंसे हुए फंडों की वसूली हो सके। विशेषज्ञों के अनुसार, इस साइबर अपराध के पैमाने को देखते हुए एक गहन जांच की आवश्यकता है। यह मामला भारत में क्रिप्टो ट्रेडिंग के लिए प्रभावी नियमन और नियमों की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित करता है।

सुनीता विलियम्स के बिना स्पेसक्राफ्ट धरती पर लौटा

-स्टारलाइनर की रेगिस्तान में लैंडिंग, नासा ने खराबी के चलते खाली वापस लाने का फैसला किया था

न्यूयार्क(ईएमएस)। एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विलमोर को स्पेस स्टेशन ले जाने वाला स्पेस क्राफ्ट 3 महीने बाद धरती पर सुरक्षित लैंड हो गया है। 3 बड़े पैराशूट और एयरबैग की मदद से इसकी लैंडिंग हुई। स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार सुबह 3:30 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से अलग हुआ था। इसको धरती पर आने में करीब 6 घंटे लगे। स्टारलाइनर ने 9 बजकर 15 मिनट पर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया था। तब इसकी गति करीब 2,735 किमी प्रति घंटा थी। यह सुबह 9 बजकर 32 मिनट पर अमेरिका में न्यू मैक्सिको के व्हॉइट सैंड स्पेस हॉर्बर (रेगिस्तान) में लैंड हुआ।

बोइंग कंपनी ने नासा के लिए यह स्पेसक्राफ्ट बनाया है। 5 जून को सुनीता और बुच को इससे ढ्रुस्‌ पर भेजा गया था। यह सिर्फ 8 दिन का मिशन था, लेकिन इसके सुरक्षित लौटने पर कई तरह की आशंकाएं थीं। स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी दिक्कतों और हीलियम गैस के रिसाव की जानकारी सामने आई थी। नासा ने 24 अगस्त को बताया था कि स्टारलाइनर में सेफ्टी इश्यूज की वजह से बुच और सुनीता को इससे वापस धरती पर नहीं लाया जाएगा। स्पेसक्राफ्ट खाली ही वापस लौटेगा। जबकि सुनीता और बुच को इलॉन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स के क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाया जाएगा।

कमला हैरिस बनेंगी अमेरिका की अगली राष्ट्रपति -इतिहासकार एलन लिचमैन की भविष्यवाणी

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी चुनाव को लेकर भविष्यवाणी करने वाले एक चर्चित इतिहासकार एलन लिचमैन (77 साल) ने कमला हैरिस की जीत का दावा किया है। उनका दावा इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले 40 साल में की गई उनकी 10 में से 9 भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं। लिचमैन उन चंद लोगों में शामिल थे जिन्होंने 2016 में ट्रम्प के जीतने की भविष्यवाणी की थी। इस पर ट्रम्प ने उनकी तारीफ की थी। हालांकि बीते जुलाई में जब बाइडेन राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर हुए तो उन्होंने इस फैसले को डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एक बड़ी गलती करार दिया था।

डेढ़ महीने बाद अब लिचमैन के सुर बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि 5 नवंबर को होने वाले चुनाव में हैरिस की जीत तय है। लिचमैन चुनाव से जुड़ी भविष्यवाणी किसी सर्वे के आधार पर नहीं करते बल्कि अपने 'कीज टू द व्हाइट हाउस मॉडल' के आधार पर करते हैं। इसे उन्होंने 1981 में अपने दोस्त व्लादिमीर केइलिस-बोरोक के साथ विकसित किया था। यह मॉडल पिछले 120 साल में हुए सभी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के नतीजे के आधार पर तैयार किया गया था। इसके आधार पर वे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की 1984 से भविष्यवाणी कर रहे हैं। इस मॉडल के तहत वो उम्मीदवारों को 13 कसौटियों पर परखते हैं। इन कसौटियों में मिडटर्म इलेक्शन, इनकम्बेंसी, प्राइमरी चुनाव, स्वतंत्र उम्मीदवार, शॉर्ट टर्म इकोनॉमी, लॉन्ग टर्म इकोनॉमी, पॉलिसी चेंज, व्हाइट हाउस स्कैंडल, विदेश नीति में असफलता, विदेश नीति में सफलता, विपक्षी उम्मीदवार का करिश्मा, सत्ताधारी उम्मीद वार की खूबी जैसे फैक्टर्स शामिल हैं।

8 कसौटियों पर कमला हैरिस आगे

लिचमैन के मुताबिक 13 में से 8 कसौटियों पर कमला हैरिस आगे हैं। यही वजह है कि उनके जीतने के चांसेज ज्यादा हैं। वहीं, 3 कसौटियों पर ट्रम्प आगे हैं। 2 का जवाब अभी तक नहीं मिला है। लिचमैन का कहना है कि उन्होंने 2000 के चुनाव में डेमोक्रेट प्रत्याशी अल गोर के जीत की भविष्यवाणी की थी जो सटीक नहीं रही। हालांकि तकनीकी रूप से देखा जाए को उनकी ये भविष्यवाणी भी सही थे। गोर ने उस चुनाव में पॉपुलर वोट जीता था। इलेक्टोरल वोट का फैसला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा किया गया था। दरअसल, उस साल दोनों प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर हुई थी। दोनों की जीत फ्लोरिडा के परिणाम पर टिकी थी। यहां भी मामला लगभग बराबरी पर चला गया, जिसके बाद मामला कोर्ट पहुंच गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 36 दिन के बाद 5-2 के अंतर से जॉर्ज डब्ल्यू बुश के पक्ष में फैसला सुनाया था। लिचमैन पॉलिटकल भविष्यवाणियों के अलावा इकॉनोमी, घोटालों और विदेश नीति की नाकामी और उसकी कामयाबी का भी अनुमान लगा चुके हैं।

वॉल स्ट्रीट में फिर भारी गिरावट, चिंतित दुनिया भर के निवेशक

नई दिल्ली (ईएमएस)। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट में फिर भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी रोजगार बाजार के बारे में बहुप्रतीक्षित अपडेट इतना कमजोर आया। इसके बाद में पहले ऊंची छलांग लगाने वाले प्रौद्योगिकी शेयरों को फिर से नुकसान उठाना पड़ा।

इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एसएंडपी 500 में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह मार्च, 2023 के बाद से इसका सबसे खराब सप्ताह रहा। ब्रॉडकॉम, एनवीडिया और अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों ने बाजार को नीचे गिरा दिया, क्योंकि इस बात की चिंता बनी हुई थी कि कृत्रिम मेधा (एआई) के इर्द-गिर्द उछाल में उनकी कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई थीं, और उन्होंने नैस्डैक कंपोजिट को बाजार में 2.6 प्रतिशत तक नीचे खींच लिया। सुबह की 250 अंकों की बढ़त को खत्म करने के बाद डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत में 410 अंक या एक प्रतिशत की गिरावट आई।

रोजगार रिपोर्ट आने के बाद बॉन्ड मार्केट में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां ट्रेजरी यील्ड में गिरावट आई, फिर सुधार हुआ और फिर गिरावट आई। रिपोर्ट में दिखाया गया कि अगस्त में अमेरिकी नियोक्ताओं ने अर्थशास्त्रियों की अपेक्षा से कम कर्मचारियों को काम पर रखा।

इसे साल की सबसे महत्वपूर्ण रोजगार रिपोर्ट के रूप में पेश किया गया था, और इसने लगातार दूसरे महीने दिखाया कि भर्ती पूर्वानुमानों से कम रही। इसके बाद हाल ही में विनिर्माण और अर्थव्यवस्था के कुछ अन्य क्षेत्रों में कमजोरी दिखाने वाली रिपोर्ट भी आई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार नए रिकॉर्ड के साथ 683.987 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अगस्त तक 2.299 अरब डॉलर बढ़कर 683.987 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जारी आंकड़ों में बताया गया है कि इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 7.023 अरब डॉलर बढ़कर 681.688 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआई के मुताबिक 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.485 अरब डॉलर बढ़कर 599.037 अरब डॉलर हो गईं।

समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 86.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 61.859 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 90 लाख डॉलर बढ़कर 18.468 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.622 अरब डॉलर हो गया।

त्योहारी सीजन शुरु होते ही सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएममएस)। घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन शुरु होते ही सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। शुनिवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोने की कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,470 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयी। वहीं मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,320 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंची। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में भी तेजी आई है। ये अब 87,100 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गयी हैं।

दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 67,360 प्रति 10 ग्राम, वहीं 24 कैरेट सोना73,470 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। मुंबई में 22 कैरेट सोना?67,210 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना?73,320 प्रति 10 ग्राम। अहमदाबाद में 22 कैरेट सोना 67,260 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोनाः 73,370 प्रति 10 ग्राम है। जयपुर और लखनऊ में 22 कैरेट सोना 67,360 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,470 प्रति 10 ग्राम पर है। इसके अलावा चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु में 22 कैरेट सोना 67,210 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,320 प्रति 10 ग्राम पर है। पटना में 22 कैरेट सोना 67,260 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,370 प्रति 10 ग्राम पर है। भुवनेश्वर और हैदराबाद में 22 कैरेट सोना 67,210 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,320 प्रति 10 ग्राम पर है।

माना जा रहा है त्योहार शुरु होने से कीमतों अभी और बढ़ेंगी। ये 76,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर जा सकती हैं। सोने की कीमतों में तेजी का मुख्य कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 18 सितंबर को होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं हैं।

चांदी की मांग बढ़ने से चांदी की कीमतों में तेजी

90000 रुपए तक जाएगी चांदी की कीमत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया भर के देशों में औद्योगिक मांग के चलते चांदी का उपयोग बढ़ता क्या रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी की मांग बढ़ रही है। 5जी तकनीकी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल और मेडिकल उपकरणों में चांदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है।

वैश्विक स्तर पर चांदी की मांग ज्यादा है। उस तुलना में आपूर्ति कम हो रही है। जिसके कारण बाजारों में चांदी के दामों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। 2023 में मांग की तुलना में 4026 टन कम चांदी की आपूर्ति हुई थी। 2024 में 7513 टन चांदी की कम आपूर्ति होने की संभावना है। जिसके कारण चांदी के दाम 90000 रुपए किलो तक पहुंचने की बाजार में धारणा है। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के भाव 83338 रुपए पर हैं। जो इस साल के अंत तक 90000 पर पहुंच जाएंगे। जिसके कारण बाजार में चांदी के दाम में तेजी बनी हुई है।

रूसी पत्रिका ने कवर पेज पर दी पीएम मोदी को जगह.....विरोधियों को जबाव

मास्को (ईएमएस)। रूसी पत्रिका के कवर पर पीएम मोदी की तस्वीर नजर आई। व्लादीवोस्तक में आयोजित ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में इसकी खूब चर्चा हुई। इस मैगजीन में पीएम मोदी की जीवनयात्रा को दिखकर मैगजीन की एडिशन उनके नाम कर दी। जिसमें बताया गया कि कैसे नरेंद्र मोदी ने गुजरात से अपना सफर शुरू किया और फिर वे देश के प्रधानमंत्री बने। इसमें पीएम मोदी का अनूठा मार्ग और राष्ट्रवाद व प्रगति शीर्षक वाले लेख में पश्चिमी दबाव के आगे झुकने से इंकार करने के लिए मोदी की खूब तारीफ की गई है। लेख में प्रधानमंत्री मोदी को गुजराती टाइगर और रूस का मित्र बताया गया है। इसमें पीएम मोदी की खूब तारीफ की गई है।

बताया गया है कि इस मल्टीपोरल और मल्टीलैटरल दुनिया में उन्होंने पश्चिमी दबाव के आगे झुकने से मना कर दिया। इसकारण मैगजीन ने अपने कवर पेज पर जगह दी है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच कई समानताएं दिखाई गई हैं। बताया गया है कि दोनों ही अपने देशों को मूल सभ्यताएं कहते हैं। जिन्हें विकास के लिए एक विशेष मार्ग का अधिकार है। दोनों ही पश्चिम की आलोचना कर एक बहुध्रुविया दुनिया की वकालत करते हैं। साथ ही वैश्विकरण के संरक्षण का समर्थन करते हैं। दोनों ही राजनेता दक्षिणपंथी उदारवादी रूढिवादी हैं जो बाजार क्षमता के साधनों का उपयोग करके अपने लोगों को पारंपरिक मूल्यों की ओर मोड़ते हैं।

पात्रिका के लेख में कहा गया कि मोदी पुतिन की तरह की वाशिंगटन के विरोधियों चाहे वे ईरान हो या म्यांमार के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने से नहीं डरते।

इसके अलावा दोनों ही नेताओं के बीच साझा किए गए बेहतरीन तालमेल पर प्रकाश डाला गया है। लेख में बताया गया कि मोदी ने साल 2014 से छह बार रूस का दौरा किया है। इसी दौरान उनकी पुतिन से 22 बार बात की है। लेख में मोदी की मास्को यात्रा को पुतिन के लिए पूर्ण और बिना शर्त कूटनीतिक जीत बताया गया है, क्योंकि यह नाटो सहयोगियों के मुंह पर तमाचा था, जो रूस को अलग-थलग करने में सफल होने का दावा करते हैं।

कवर स्टोरी ने रूस-भारत रक्षा साझेदारी की निरन्तर मजबूती के बारे में आशा व्यक्त की गई है तथा कहा गया है कि ब्रह्मोस मिसाइल के संयुक्त विकास के साथ जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे भारत काफी खुश है।

स्कूल और आवासीय इमारत पर हमला......13 फ़िलिस्तीनी मारे गए

गाजा (ईएमएस)। फिलिस्तीनी प्राधिकरण की लोकल मीडिया ने शनिवार सुबह रिपोर्ट दी कि गाजा में शरणार्थियों को शरण देने वाले एक स्कूल और एक आवासीय इमारत पर इजरायली हमलों में करीब 13 फ़िलिस्तीनी मारे गए और 15 घायल हो गए। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि मृतकों में से करीब आठ उत्तरी गाजा के जबालिया में हलीमा अल-सादिया स्कूल में शरणार्थी तंबू में थे। इज़रायली सेना ने कहा कि उसने उन आतंकवादियों पर सटीक हमला किया था जो एक परिसर के अंदर बने हमास कमांड और कंट्रोल सेंटर के अंदर काम कर रहे थे, जो पहले उत्तरी गाजा पट्टी में हलीमा अल-सादिया स्कूल के रूप में काम करता था।

एक अलग घटना में मध्य गाजा में नुसीरात शिविर में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास-शासित क्षेत्र पर इजरायल के बाद के हमले में 40,800 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि 2.3 मिलियन की लगभग पूरी आबादी विस्थापित हो गई, जिससे भूख का संकट पैदा हो गया और विश्व न्यायालय में नरसंहार के आरोप लगे, जिससे इजरायल इंकार करता है।

फलस्तीन के पश्चिमी तट पर बस्ती बसाने के खिलाफ शुक्रवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल एक अमेरिकी महिला को इजराइली सैनिकों ने गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं, दो चिकित्सकों ने बताया कि महिला के सिर में गोली मारी गई। अमेरिक के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने तुर्किये में जन्मीं 26 वर्षीय महिला आयसेनुर एजगी ईगी की मौत की पुष्टि की। उन्होंने यह नहीं बताया कि उसे इजराइली सैनिकों ने गोली मारी या नहीं। व्हाइट हाउस ने कहा कि वह एक अमेरिकी नागरिक की हत्या से 'बहुत परेशान' है।

भारतीयों को वीजा देने में आनाकानी, भारत ने ट्रूडो सरकार को फटकारा

ओटावा (ईएमएस)। भारतीयों की वीजा देने में भेदभाव करने वाली कनाडा की ट्रूडो सरकार को भारत ने झाड़ दिया है। भारत ने कनाडा से भारतीयों की प्राथमिकता और अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को देखकर वीजा गतिविधि में पारदर्शिता और गति लाने को कहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में कनाडा की 12वीं व्यापार नीति समीक्षा चर्चा के दौरान यह मुद्दा उठाया। खालिस्तानी अलगाववादियों के मुद्दे पर भारत से तनाव के ट्रूडो सरकार भारतीयों को वीजा देने में आनाकानी कर रही है। भारत से पढ़ाई के लिए जाने वाले युवा इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

डब्ल्यूटीओ में समीक्षा चर्चा के दौरान भारत ने कहा, कनाडा उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्यों में से एक है। भारत ने कनाडा में भारतीयों को धमकी का मुद्दा भी उठाया। भारत ने कहा, कनाडा में पढ़ रहे भारतीय छात्रों के मुद्दों को भी उचित रूप से संबोधित किया जाना चाहिए, जिसमें आवास, धमकी की घटनाएं और सुरक्षा आदि शामिल हैं।

भारत की पर्यटन सांख्यिकी रिपोर्ट 2022 के उपलब्ध अनुमानों के अनुसार, 18 लाख छात्रों के साथ कनाडा भारतीयों के लिए विदेश में पढ़ाई के लिए दूसरा सबसे पसंदीदा स्थान था। डब्ल्यूटीओ में भारत ने कपड़े, ड्रेस, ज्वैलरी और रत्नों के साथ चमड़े और जूतों के क्षेत्र में कनाडा द्वारा लगाए गए उच्च शुल्कों पर भी विशेष रूप से चिंता व्यक्त की। इसमें कहा गया कि इन क्षेत्रों में कनाडा मुख्यतः आयात पर निर्भर है और विकासशील देश मुख्य रूप से इन वस्तुओं का निर्यात कनाडा को करते रहे हैं।

ट्रूडो सरकार ने देश में बाहर से आने वाले प्रवासियों की संख्या में कमी लाने की घोषणा की है। कनाडा का आव्रजन विभाग तेजी से वीजा आवेदनों को खारिज कर रहा है। इसके साथ ही तेजी से विदेशी नागरिकों को वापस भी भेजा जा रहा है।

पसीने से लगेगा बीमारियों का पता

नई दिल्ली (ईएमएस)। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के सेन डिएगो के जैकब्स स्कूल आफ इंजीनियरिंग के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी पट्टी तैयार की है। जो पसीने में मौजूद रसायनों को बिजली मैं बदल देते हैं। यह बिजली बैटरी में संग्रहित कर चार सेंसर के माध्यम से खून में ग्लूकोज, विटामिन सी, पर्किसन रोग के बारे में पता करके इसे ब्लूटूथ के माध्यम से ट्रांसफर कर देती है। इस पद्धति से तुरंत बीमारी के स्तर का पता लग जाता है।

परीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को पूरे दिन यह पट्टी पहनाई गई। खाना, खाने के बाद उसके खून में शुगर के स्तर,व्यायाम के दौरान लेक्टट का स्तर,संतरे का रस पीते समय विटामिन सी का स्तर इत्यादि को मापा गया।

शोधकर्ताओं के अनुसार उंगलियों के सिरे और शरीर के सबसे अधिक पसीना पैदा करने वाले अंग में इस पट्टी को लगाने से बीमारियों का पता आसानी से लगाया जा सकता है। यह शोध जनरल नेचर इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रकाशित हुआ है।

एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक 'नीति पर काम कर रही मोदी सरकार

केंद्रीय वित्त मंत्रालय आरआरबी को एकीकृत करने की तैयारी में

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्रालय 'एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक' नीति के तहत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को एकीकृत करने की योजना बना रहा है। इसका मकसद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की दक्षता को सुधारना और प्रायोजक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच अनुचित प्रतिस्पर्धा को रोकना है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, 'एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक नीति पर विचार हो रहा है और इस पर काम चल रहा है। हमारा लक्ष्य क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या को मौजूदा 43 से कम कर करीब 30 करने की है।'

मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप प्रदर्शन के आधार पर एक राज्य के भीतर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का एक प्रायोजक बैंक में विलय होगा। इससे प्रत्येक राज्य में एक प्रायोजक बैंक होगा जो उस राज्य के अन्य ग्रामीण बैंकों की परिसंपत्तियों को अपने में मिलाएगा। अधिकारी ने कहा, 'ग्रामीण बैंकों की संख्या नहीं बल्कि गुणवत्ता बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी को बेहतर करने और मोबाइल बैंकिंग की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है। एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक नीति से इसमें मदद होगी और उनके बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा भी कम होगी।'

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय स्तर पर खोले जाते हैं और इनका मकसद ग्रामीण क्षेत्रों को वित्तीय सेवाएं देना होता है। इस तरह के बैंकों को आरआरबी अधिनियम, 1976 के तहत केंद्र, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंकों की ओर से पूंजी प्रदान की जाती है। देश का सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक सर्वाधिक 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रायोजक है। इसके बाद पंजाब नैशनल बैंक 9, केनरा बैंक 4, बैंक ऑफ बड़ौदा तथा इंडियन बैंक 3-3 ,सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 2, यूको बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, यूनियन बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र 1-1क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रायोजक हैं।

वहीं राज्यों में आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल में 3-3 आरआरबी हैं, जबकि बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तेलंगाना में 2-2 आरआरबी हैं। वित्त वर्ष 2024 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने अभी तक का सर्वाधिक 7,571 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था और उनके सकल गैर-निष्पादित आस्तियों का अनुपात 6.1 फीसदी रहा, जो 10 साल में सबसे कम है।

शेयर बाजार में सरकारी बैंकों की हालत खस्ता, निजी बैंकों की स्थिति बेहतर

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका के जॉब मार्केट में सरकारी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी का शेयर तीन महीनों से प्राइवेट बैंकों की तुलना में कम हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है, सरकारी बैंकों के डिपॉजिट घट रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भी सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। यह घटनाक्रम उस समय हो रहा है। जब बीएसई, एनएसई और बैंक निफ्टी जैसे सूचकांक ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। शेयर मार्केट एक्सपर्ट मानते हैं, मौजूदा स्थिति में सरकारी बैंकों के लिए शेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी को मजबूत बनाए रखने की दिशा में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं निजी बैंकों की स्थिति शेयर मार्केट में सरकारी बैंकों से अधिक मजबूत है।

लिथियम बैटरी की कीमत में 50 फ़ीसदी की कमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनियाभर में सौर और विंड एनर्जी जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तेजी से,बढ़ रहा है। ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) की मांग में कमी के चलते अब बैटरी निर्माताओं ने बिजली स्टोरेज पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है।

2023 में लिथियम बैटरी के बाजार में 1.25 लाख करोड़ रुपए का अनुमान है। 2040 तक 250 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बदलाव की वजह से, कंपनियां अब बिजली को सौर और विंड ऊर्जा से स्टोर करने के लिए बैटरियों का निर्माण और उपयोग करने पर काम कर रही हैं। लिथियम बैटरी की कीमतें 2019 से 50ङ तक कम हो गई है। जिससे यह बिजली स्टोरेज के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गई हैं।

भारत में भी अब कोयला और अन्य पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों की जगह बैटरी स्टोरेज की तरफ रुझान बढ़ रहा है। जिससे भविष्य में स्थायी ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि होना तय है।

भारतीय पैरा एथलीट सेमा ने पैरालंपिक में कांस्य जीता

पेरिस (ईएमएस)। भारत के पैरा एथलीट होकाटो होतोजे सेमा ने पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक जीता है। 40 साल के होकाटो ने पुरुषों की शॉट पुट एफ57 इवेंट में 14.65 मीटर थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल कर ये कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उनका पहला पैरालंपिक था। इससे पहले सेमा ने एशियाई पैरा गेम्स 2022 में भी स्वर्ण पदक जीता है।

सेमा नगालैंड के हैं और भारतीय सेना में हवलदार हैं। होटोझे वह भारतीय सेना की स्पेशल फोर्स (एसएफ) में शामिल हुए पर सीमा पर एक अभियान के दौरान वह बारुदी सुरंग धमाके में घायल हो गये। इसमें उन्होंन अपना बायां पैर खो दिया हालांकि इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। एक सफल पैरा-एथलीट बनने के लिए उन्होंने जमकर मेहनत की और इसी कारण आज वह पेरिस में पदक जीत पाये हैं। वह भारतीय सेना में 9 असम रेजिमेंट में हवलदार के पद पर कार्यरत हैं।

अमेरिका आएंगे ब्रिटेन के पीएम, यूक्रेन और गाजा मुद्दों पर करेंगे चर्चा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अगले सप्ताह वाशिंगटन में ब्रिटेन के पीएम केयर स्टॉर्मर के साथ बैठक करेंगे, जिसमें यूक्रेन और गाजा में युद्ध के अलावा कई अन्य मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है।

ब्रिटेन के पीएम ऐसे समय में अमेरिका की यात्रा आ रहे हैं जब बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में होने वाली यह बैठक यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन को जारी रखने पर केंद्रित होगी, क्योंकि वह रूस के आक्रमण को रोकने की कोशिश कर रहा है। बयान में यह भी कहा गया है बैठक में इजराइल और हमास के बीच समझौता और संघर्ष-विराम कराने, लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों को ईरान समर्थित हूती लड़ाकों के हमलों से बचाने और हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा चिंताओं के मुद्दे पर भी बातचीत होगी। स्टॉर्मर ने इससे पहले जुलाई में नाटो के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए वाशिंगटन की यात्रा की थी। इस दौरान, उनकी बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी।

रविवार को तरणेतर में सरकार - 'हैयु हणाई ने जासे तणाई, जोबन्ना रेलामा, मेला'

चोटिला,7 सितंबर

गुजरात के मेले भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग हैं, जो हमारी परंपराओं, खान-पान, जीवनशैली और विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के चोटिला तालुक के तरणेतर गांव में आयोजित तरणेतर मेला गुजरात की जीवंत संस्कृति और परंपराओं का सबसे अच्छा उदाहरण है। चार दिवसीय इस मेले में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत आधा मंत्रिमंडल मेले का लुत्फ़ उठाने पहुंचेगा. इस बार पहली बार ग्राम्य और भाटीगल मेलों में लोक मनोरंजन के लिए अनेक व्यवस्थाएं की गई हैं

सौराष्ट्र की विभिन्न जातियों जैसे भरवाड,अहीर,रबारीऔरकाठी के अलावा, स्थानीय लोग अपनी पारंपरिक पोशाक में तरणेतर मेले मेंभाग लेते हैं। रंग-बिरंगी कढ़ाई वाली भाटीगल पोशाक पहने युवा चावल से भरे छाते लेकर मेले में घूमते नजर आते हैं। तो लड़कियां रंग-बिरंगी कढ़ाई वाली चनियाचोली में नजर आती हैं। गरबा और डांडिया खेलती लड़कियों को देखकर लोगमंत्रमुग्ध हो जाते हैं। इस मेले में युवाओं को आकर्षक छत्री नृत्य करते हुए देखने का भी एक अलग आनंद है।

पशुपालन विभाग, गुजरात सरकार के मार्गदर्शन में, तरणेतर में सुरेंद्रनगर जिला पंचायत द्वारा पशु प्रदर्शनी और प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसमें गिर और कांकरेगे वर्ग की गायें, जाफराबादी और बन्नी नस्ल की भैंस आदि का प्रदर्शन किया जाता है और सर्वोत्तम नस्ल के मवेशियों के लिए प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। . विजेता जानवर को पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिया जाता है। इस पशु मेले के आयोजन का उद्देश्य अच्छी नस्ल वाले मवेशियों के पालन को बढ़ावा देना है।

गुजरात में खेल प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की जा रही हैं और इस उद्देश्य के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इसमें तरणेतर मेले में होने वाले ग्रामीण ओलंपिक भी अहम हैं. इसके तहत मेले में विभिन्न आयु वर्ग के स्कूली बच्चों के लिए 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर दौड़, लंबी कूद, रस्सी कूद और लंगड़ाना जैसे खेलों का आयोजन किया गया है। दौड़ के अलावा युवाओं के लिए गोला फेंक, लंबी कूद, 4स100 मीटर रिले, नारियल फेंक, कुश्ती, वॉलीबॉल, कबड्डी, रस्साखेंच, स्ट्रॉन्गेस्ट मैन, सातोड़ी (नार्गोल) और शुगर लादेन ईटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

तरणेतर मेले में पहली बार ग्रामीण पारंपरिक सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा लोक कला और कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए 24 विभिन्न पारंपरिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें वेशभूषा, छतरी सजावट, पारंपरिक कढ़ाई, लोक गीत, लोक कथाएं, भजन, दुहा-चांद, डाक-डमरू गायन, बांसुरी, भवाई, शहरी और ग्रामीण रास, हुडो रास, लोक नृत्य, शहनाई और एकल नृत्य जैसी श्रेणियां शामिल हैं।

लोककथाओं के अनुसार, द्रौपदी स्वयंवर के समय, तरणेतर स्थित त्रिनेत्रेश्वर महादेव मंदिर के परिसर में, अर्जुन ने मछली पकड़ी थी और जलकुंड में केवल मछली का प्रतिबिंब देखकर द्रौपदी से विवाह किया था। इसलिए इस भूमि को पांचाल भूमि के नाम से जाना जाता है। इस जलकुंड में स्नान का धार्मिक महत्व भी है। एक मान्यता के अनुसार भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पंचमी को यहां गंगा मैया का आह्वान किया जाता है। किवदंती के अनुसार प्राचीन काल से ही यहां तरनेतर मेला का आयोजन किया जाता है।

त्योहारों का मौसम:सिंगतेल-कॉटन तेल की कीमतों में बढ़ोतरी

राजकोट 7 सितम्बर

देशभर में लोग आज गणेशोत्सव मना रहे हैं। हालांकि बप्पा के आगमन के साथ ही गुजरात में महंगाई ने भी दस्तक दे दी है. त्योहार पर घर में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं, लेकिन इस बार घर में इस पकवान की मात्रा कम हो सकती है. राजकोट में आज बाजार खुलने के साथ ही खाद्य तेल के दाम बढ़ गए हैं. जिससे त्योहार के दौरान ही गृहणियों का बजट गड़बड़ा गया है। बाजार में आज नारियल तेल और बिनौला तेल के दाम बढ़ गए हैं.

पिछले दो दिनों में बिनौला तेल की कीमत 70 रुपये तक बढ़ गयी है. वहीं, अरंडी तेल की कीमत में भी 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई है. हाल की भारी बारिश के कारण पेराई कम हो गई है क्योंकि मिलों को कच्चा माल नहीं मिल रहा है। जिसके कारण तेल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है.

आज के बाजार भाव के मुताबिक 70 रुपये की बढ़ोतरी के साथ सिंगटेल तेल के एक कैन की कीमत 2690 रुपये पर पहुंच गई है. इसके साथ ही 60 रुपये की बढ़ोतरी के साथ कपास तेल की कीमत 1740 हो गई है.

एक तरफ त्योहारों का मौसम है. वहीं, दूसरी ओर छोटे-छोटे खाद्य पदार्थों के साथ-साथ तेल की कीमत में इतनी भारी बढ़ोतरी होने से गृहिणी का बजट गड़बड़ा गया है. पिछले छह महीनों में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी इस प्रकार है.

अच्छी बारिश की संभावना के चलते सौराष्ट्र के भावनगर, अमरेली, राजकोट इलाके के किसानों ने बड़ी मात्रा में मूंगफली लगाई. लेकिन, लगातार हो रही बारिश ने फसलों पर भी पानी फेर दिया है. झुलसा रोग के कारण मूंगफली की फसल पीली पड़ने लगी और वास्तविक फसल का काफी हिस्सा नष्ट हो गया। मूंगफली की फसल बर्बाद होने से किसानों को भी भारी नुकसान हुआ है। इसके साथ ही बाजार में मांग के मुकाबले आपूर्ति की कमी के कारण भी तेल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है।

कच्छ में निमोनिया से 8की मौत; अहमदाबाद में डेंगू से 3, सूरत में 1 बच्ची की मौत

अहमदाबाद,7 सितंबर

गुजरात में भारी बारिश हो रही है. 25 अगस्त को गुजरात के कच्छ में भारी से बेहद भारी बारिश हुई थी, इससे पहले भी कच्छ में मूसलाधार बारिश के बाद पानी जमा हो गया था, अभी भी गुजरात में दो दिनों की भारी बारिश से कच्छ, राजकोट जैसे शहरों में महामारी फैल गई है. , कच्छ में निमोनिया ने एक सप्ताह में 8 लोगों की जान ले ली है और प्रशासन बेलगाम हो गया है।

पिछले एक पखवाड़े से मेघराजा ने गुजरात में धमाके का आह्वान किया है. राज्य के सभी जिलों में भारी बारिश हुई है. इस बारिश के साथ ही जलजनित और मच्छर जनित बीमारियाँ भी बढ़ गई हैं। जगह-जगह बारिश का पानी भरने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। अहमदाबाद में एएमसी के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, डेंगू के 688 मामले सामने आए हैं और 3 लड़कियों की डेंगू के कारण मौत हो गई है। जबकि डायमंड सिटी सूरत में डेंगू के 71 मामले सामने आए और वडोदरा में डेंगू के कारण एक महिला की मौत हो गई, अब तक डेंगू के कुल 198 सकारात्मक मामले सामने आए हैं, हालांकि वहां कोई मौत नहीं हुई है। जबकि रंगीला राजकोट में भी डेंगू के कुल 120 मामले सामने आ चुके हैं.

पिछले कुछ समय से सांस संबंधी समस्याओं के मामले बढ़ रहे हैं। अब कच्छ को निमोनिया ने ले लिया है. पिछले एक सप्ताह में निमोनिया ने 8 लोगों की जान ले ली है। सभी मृतकों के फेफड़ों में संक्रमण की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है। इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक चिंता है

कई जीव निमोनिया का कारण बन सकते हैं। इनमें से, जिन बैक्टीरिया और वायरस से हम सांस लेते हैं वे सबसे आम हैं। हमारा शरीर आमतौर पर इन कीटाणुओं को फेफड़ों को संक्रमित करने से रोकता है, लेकिन कभी-कभी ये रोगाणु इतने मजबूत होजातेहैं कि वे हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली पर हावी हो जाते हैं और शरीर को संक्रमित कर देते हैं।

धूम्रपान करने वालों को भी निमोनिया होने का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान बैक्टीरिया और वायरस के खिलाफ शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है, जिससे निमोनिया होता है। जिन लोगों को एड्स है, अंग प्रत्यारोपण हुआ है, या कीमोथेरेपी चल रही है, उनमें भी निमोनिया होने का खतरा बढ़ जाता है। निमोनिया और फ्लू से बचाव के लिए कई टीके उपलब्ध हैं। स्वच्छता का ध्यान रखें, समय-समय पर हाथ धोएं और सैनिटाइजर का प्रयोग करें। धूम्रपान न करें, यह आपके फेफड़ों को ख़राब करता है। इसके अलावा इम्यून सिस्टम को मजबूत करें, पर्याप्त नींद लें, नियमित व्यायाम करें और स्वस्थ आहार लें

भाजपा के सदस्यता अभियान में पुरूषोत्तम रूपाला का मोदक तुला, रामभरोसे पीड़ितों को बाहर करने पर लोगों में रोष

अमरेली,7 सितंबर

बीजेपी सदस्यता अभियान को लेकर अमरेली के ईश्वरिया गांव पहुंचे परषोत्तम रूपाला को गणेश चतुर्थी के दिन मोदक तुला दिया गया है. उधर, सौराष्ट्र समेत राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश से तबाही का मंजर पैदा हो गया। इस बीच बाढ़ प्रभावित राज्य वडोदरा में बाढ़ का पानी कम होने के बाद सत्ताधारी पार्टी ने लोगों की कोई मदद नहीं की तो बीजेपी नेता का बहिष्कार कर दिया गया.

अमरेली के ईश्वरिया गांव में गणेश चतुर्थी के दिन रूपाला का मोदक तुला बनाया जाता है। सौराष्ट्र में भारी बारिश के बाद हुई तबाही में लोगों की मदद करने के बजाय बीजेपी सदस्यता अभियान में व्यस्त है। बाढ़ प्रभावित इलाके के लोगों को मदद पहुंचाने के बजाय सत्ताधारी दल के नेता ने मोदक तुला की गलती कर दी है। जिसमें राजकोट सांसद रूपाला के मोदक को तराजू में मोदक की पेटियां रखकर तोला गया है.

जानकारी के मुताबिक, रूपाला द्वारा तौले गए मोदक गायों को अमरेली के ईश्वरिया गांव में खिलाया जाएगा. बता दें कि बीजेपी के अमरेली सांसद भरत सुतारिया, विधानसभा उपाध्यक्ष कौशिक वेकारिया, इफको चेयरमैन दिलीप संघानी और अन्य नेताओं को ऐसे कार्यक्रमों के लिए तो समय मिल जाता है, लेकिन बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर लोगों की मदद करने के लिए समय नहीं निकाला जाता.

कृष्णानगर-नरोड़ा में कुख्यात शराब तस्कर पिता ने पुलिस की मौजूदगी में बेटे के साथ बर्बरता की

अहमदाबाद,7 सितंबर

अहमदाबाद में बूटलेगर्स द्वारा खुलेआम शराब बेचने और दबंगई करने के कई मामले सामने आते हैं, अहमदाबाद के कृष्णानगर इलाके में एक कुख्यात बूटलेगर के बेटे का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी. कृष्णानगर और नरोडा इलाके में बंधक बनाए गए लोगों की कारों के शीशे तोड़ दिए गए, जब असामाजिक तत्व गाड़ियों के शीशे तोड़ रहे थे, तभी अहमदाबाद पुलिस की पीसीआर वैन वहां से गुजरी. हालांकि, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने से अहमदाबाद शहर की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं.

अहमदाबाद के कृष्णानगर इलाके में कुख्यात शराब तस्कर किशोर सिंहराठौड़ का बेटा अजीत सिंह कल (6 सितंबर)दोपहर करीब डेढ़ बजे अपनाहोटलबंदकरके अपनी सोसायटी के दरवाजेपरपहुंचा.इसीबीच मर्सिडीज कार में दो लोग आए और उन्होंने डिपरको क्यों मारा, यह कहते हुए अजीतसिंह केसिर पर डंडा मार दिया।

इसकेबाद श्याम विहार सोसायटी के पास एक अन्य चार पहिया वाहन से उतरे कुख्यात धामा बराड़ समेत तीन से अधिक लोगों ने अजीत सिंह कोमारपीटकरकारमें डालकर अपहरण कर लिया. इसके बाद उन्हें पासवा नाथकैनाल रोड के पास पेंशन बंधु कार्यालय में लेजाया गया और और मवेशियों को पीटा गया. इसी बीच अजीत सिंह के रिश्तेदार के आ जाने पर धामा बराड़ समेतपांच लोग भाग गये. पूरी घटना को लेकर जब अजीत सिंह ने अस्पताल में इलाज के बाद कृष्णानगर थाने में धामा बराड समेत चार से अधिक लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी.

पूरी घटना को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है, जबकि कुख्यात शराब तस्कर पिता किशोर सिंह राठौड़ ने कृष्णानगर और नरोड़ा इलाके में अपने बेटे को पीटते हुए बंधक बना लिया और कुख्यात धामा बार्ड समेत इलाकों में अन्य लोगों की कारों के शीशे तोड़ दिए. असामाजिक तत्वों द्वारा वाहन की खिड़कियां तोड़ने की घटना के दौरान अहमदाबाद पुलिस की एक पीसीआर वैन वहां से गुजरी. हालांकि, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने से अहमदाबाद शहर की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं.

गोंडल मार्केट में चीन के प्रतिबंधित लहसून के 30 कट्टे मिले, केन्द्र व राज्य सरकार से जांच की मांग

राजकोट (ईएमएस) जिले के गोंडल मार्केट यार्ड में चीन के प्रतिबंधित लहसून के 30 जितने कट्टे मिलने से हड़कंप मच गया दिश के किसानों को नुकसान ना हो इसके लिए चीन के लहसून के आयात पर प्रतिबंध हैं इसके बावजूद गोंडल मार्केट यार्ड में करीब 600 से 700 किलो चीन का लहसून मिलने की घटना सामने आने के बाद इसे किसने भेजा और किसने मंगवाया? इसकी जांच शुरू कर दी गई साथ ही मार्केट यार्ड ने राज्य सरकार और केन्द्र सरकार से जानकारी साझा करते हुए उचित कार्यवाही की मांग की हैं राजकोट जिले के गोंडल मार्केटिंग यार्ड से हर दिन दो हजार कट्टे लहसुन की आय होती हैं यार्ड में मिले चीनी लहसुन को शेड नंबर 10 में उतारा गया था व्यापारियों की नजर जब इन 30 कट्टे चाइनीज लहसुन पर पड़ी तो उन्होंने यार्ड कर्मचारियों को इसकी सूचना दी यार्ड के व्यापारी बताया कि आज यार्ड में लहसुन की आय के दौरान लगभग 30 कट्टा जिसमें लगभग 600 से 700 किलो चीनी लहसुन मिला हैं यह चाइनीज लहसुन कहां से आया और किसने मंगवाया यह जांच का विषय है। फिलहाल इसकी जानकारी यार्ड अधिकारियों को दे दी और इसके लिए जिम्मेदार के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया है। यार्ड के अधिकारी इस मामले में गुजरात स्तर पर बात करेंगें व्यापारी ने बताया कि भारत में चीनी लहसुन के आने से किसानों को काफी नुकसान होता हैं चीन का लहसुन लगभग 2006 से भारत में प्रतिबंधित है। यह तस्करी का सामान है जिसके बारे में हमें पता चला है और हमने अधिकारियों से उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। इस संदर्भ में गोंडल मार्केटिंग यार्ड के अध्यक्ष अल्पेशभाई धोलरिया ने कहा कि व्यापारियों का मानना है कि यार्ड के अंदर चीनी लहसुन आ गया हैं यहां के व्यापारियों के पास अनुभव है और वे लहसुन को हीरे से बेहतर जानते हैं। कानूनी तौर पर ये मामला तस्करी का है, क्योंकि भारत के अंदर लहसुन पर चीन का प्रतिबंध है और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर उचित निर्णय कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिएं इस बारे में राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री पेशकश कर जहां भी यह लहसुन भारत में लाया जा रहा है उसे तुरंत रोकने की मांग करेंगे। क्योंकि यह मार्केटिंग यार्ड किसानों का मार्केटिंग यार्ड हैं किसानों को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। हमारे व्यापारियों की भावना और मांग सही है। क्योंकि ये मांग उनकी नहीं बल्कि राज्य के किसानों की हैं मार्केटिंग यार्ड ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया हैं यह चीनी लहसुन वाया उपलेटा से आया है। पूरे मामले की जांच कराई जायेगी और उसमें जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ केन्द्र और राज्य सरकार से कार्यवाही की मांग करेंगें

अमरेली मार्केट यार्ड में गेहूं की बोरियों के नीचे दबे 5 मजदूर,1 की मौत

अमरेली,7 सितंबर

अमरेली मार्केट यार्ड में गेहूं की बोरियां उतारते समय आज एक हादसा हो गया. इस हादसे में 5 मजदूर दब गए, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई. जबकि अन्य 4 घायल मजदूरों का अस्पताल में इलाज चल रहा है. इस हादसे से मजदूरों व व्यापारियों में भगदड़ मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह अमरेली मार्केट यार्ड में व्यापारी के यहां मजदूर गेहूं की बोरियां उतार रहे थे. इसी दौरान अचानक गेहूं की बोरियां 5 मजदूरों पर गिर गई. बोरियों के नीचे दबे मजदूरों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया. इस हादसे में खिजड़िया के विपुल दिनेश कनक (उम्र 30) नामक मजदूर की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल मजदूरों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

जीसीएएस पोर्टल के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के मुद्दे पर फिर विवाद

गांधीनगर,7 सितंबर

यूजी और पीजी की प्रवेश प्रक्रिया के लिए जीसीएएस पोर्टल शुरू किया गया है। जिसमें बदमाश को लेकर काफी गहमागहमी और विवाद हुआ। इसके बाद पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया को भी जीसीएएस से करने को लेकर फिर से विरोध शुरू हो गया है। क्योंकि, विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया अपने हिसाब से करना चाहते हैं, लेकिन सरकार भी अपने ही विज्ञापन पर अड़ी हुई है और जीसीएएस के माध्यम से ही प्रवेश प्रक्रिया पर जोर दे रही है। जीसीएएस से प्रवेश प्रक्रिया में सबसे बड़ा सवाल पंजीकरण शुल्क और प्रवेश शुल्क का है। क्योंकि जीसीएएस पर रजिस्ट्रेशन के लिए 300 रुपये देने के बाद छात्रों को उस यूनिवर्सिटी की परीक्षा फीस भी अलग से देनी होती है। जिसके लिए सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है. गौरतलब है कि सरकारी विश्वविद्यालयों में पीएचडी दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन अभी शुरू नहीं हुआ है.

सरकार ने इस साल राज्य के 15 सरकारी विश्वविद्यालयों में यूजी और पीजी से पीएचडी तक प्रवेश के लिए गुजरात कॉमन एडमिशन सर्विस पोर्टल (जीसीएएस) लॉन्च किया है। इस पोर्टल में कॉमन रजिस्ट्रेशन के जरिए यूजी और पीजी में दाखिले हो चुके हैं, लेकिन बाद में ऑफलाइन दाखिला प्रक्रिया के दौरान कई गड़बड़ियां सामने आईं। हालाँकि, अब पीएचडी प्रवेश को लेकर भी कई भ्रम और सवाल खड़े हो गए हैं। अधिकांश सरकारी विश्वविद्यालय जीसीएएस पोर्टल के माध्यम से पीएचडी के लिए प्रवेश नहीं चाहते हैं। विश्वविद्यालय स्वयं प्रवेश करना चाहते हैं। क्योंकि, हर विषय में हर संकाय-शाखा के अनुसार अलग-अलग रिक्तियां होती हैं। जिसके लिए पोर्टल में विषय चुनने का बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

इसके अलावा हर यूनिवर्सिटी की अपनी अलग प्रक्रिया और पद्धति होती है। हर विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट आयोजित करता है । जिसके लिए हर यूनिवर्सिटी अपने हिसाब से फीस तय करती है. लेकिन, इस बार यूजीसी द्वारा लागू किए गए नए नियम से कई सवाल खड़े हो गए हैं। यूजीसी ने पीएचडी प्रवेश के लिए केवल नेट स्कोर पर विचार करने और आवश्यकता न होने पर प्रवेश परीक्षा न लेने की सिफारिश की है। जिसके कारण हर यूनिवर्सिटी को नेट पास करने वाले छात्रों के लिए अलग से सीटें रखनी पड़ती हैं।

कच्छजी नागान-ऋचा पुलिस पंजारे जो जसल जाडेजा की तरह नाम कमाने के लिए निकलीं

अंजार,7 सितंबर

कच्छ में जैसल जाडेजा के बाद अब महिलाएं आधुनिक लेडी डॉन बनने के लिए जाग उठी हैं। पहले नीता चौधरी पुलिस विभाग में कार्यरत थीं और 'रिल रानी' के नाम से जानी जाती थीं। इस डकैती में ऋचा अकेली नहीं है बल्कि मानों वह अपना पारिवारिक व्यवसाय चला रही हो, उसके भाई-बहन भी माफिया में शामिल हैं।

अंजार क्षेत्र में अवैध रूप से धन उधार देने का धंधा चलाने, लोगों को शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करने और उन्हें मौत के लिए मजबूर करने की पुलिस शिकायतों के बाद भी स्वच्छंदी महिला डॉन ऋचा, बहन आरती और भाई तेजासन को पूर्वी कच्छ पुलिस ने गुजसीटोक से गिरफ्तार किया है।

कच्छ में अवैध ब्याज पर पैसा उधार देने का संभवतः यह पहला मामला है। यह कानून अब तक यानी साल 2015 के 9 साल बाद गुजसीटोक अपराध के तहत दोषी ठहराए गए अपराधियों के खिलाफ ही लागू किया गया है।

कच्छ के इतिहास में पहली बार गुजसीटोक के अपराध में एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों को एक साथ गिरफ्तार किया गया है। गुजसीटोक में पूर्वी कच्छ पुलिस ने जिस ब्याज-माफिया का भंडाफोड़ किया है, उसमें रिया ईश्वरभाई गोस्वामी, उसकी बहन आरती और भाई तेजस शामिल हैं। गोस्वामी, जो अंजार के मकलेश्वर में रहते हैं।

2020से अब तक रिया गोस्वामी के खिलाफ अवैध वसूली, जबरन वसूली, मारपीट समेत 8 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो शिकायतें जबरन वसूलीकरके पीड़ित को मरने के लिए मजबूर करने की दर्ज की गई हैं। इसीतरह उसकी बहन आरती औरभाईतेजसपरभीसूदखोरी, मारपीट, रंगदारी के चार-चार मामले दर्ज हैं।

सूरतवासियों को नए सिविल अस्पताल में अब मिलेगी यह सेवा

सूरत (ईएमएस) सूरतवासियों के लिए एक अहम खबर सामने आई हैं शहर के नए सिविल अस्पताल में एलर्जी परीक्षण एवं इम्यूनोथेरेपी क्लीनिक का केंद्रीय जल संसाधन मंत्री एवं गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मंत्री सी.आर.पाटिल ने आज किया हैं इस क्लीनिक के माध्यम से विभिन्न एलर्जी वाले मरीजों को इम्यूनोथेरेपी उपचार दिया जाएगा। क्लीनिक धूल, जीवित कीड़े, पशु और पक्षी एलर्जी, कवक, खाद्य एलर्जी सहित एलर्जी का उपचार किया जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सी.आर.पाटिल ने कहा कि सूरत के नए सिविल अस्पताल में कई कठिन ऑपरेशन किए गए हैं और लोगों का विश्वास कायम रखा गया है। ऐसे कई इलाज हैं जो दूसरे निजी अस्पतालों मेंमहंगे हैं, नए सिविल अस्पतालने उन इलाजों को यहां मुफ्त उपलब्ध कराने की पहल की है।

आरपीएफ के महानिदेशक ने लद्दाख में पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया

अहमदाबाद (ईएमएस) रैलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव के नेतृत्व में विभिन्न राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) का प्रतिनिधित्व करने वाले पुलिस अधिकारियों का 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स मेमोरियल में एकत्र हुआ, जबकि तेलंगाना पुलिस के डीआइजी एन. प्रकाश रेड्डी समूह के उपनेता थे। एसपी मयूर पाटिल ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में गुजरात पुलिस का प्रतिनिधित्व किया और स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। एकजुटता दिखाने के लिए आईटीबीपी, आईटीबीएफ और भारतीय सेना के वीर अधिकारी और जवान भी शहीदों को सलामी देने के लिए पुलिस दल में शामिल हुए।

जिसने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सतर्कता बनाए रखी हैं वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब एक ऊबड़-खाबड़ और दुर्गम इलाके में समुद्र तल से 15,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित, यह स्थल उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। पूर्वी लद्दाख, यह स्मारक भारतीय पुलिस बलों के लिए एक पवित्र स्थान है, जहां हर साल इन वीर अधिकारियों की याद में श्रद्धांजलि दी जाती हैं यह समारोह, जो 1960 में एक स्मारक के रूप में शुरू हुआ, देश भर में सेवारत और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के लिए एक अत्यधिक सम्मानित परंपरा है।

इस वर्ष की यात्रा एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि मनोज यादव प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले रेलवे सुरक्षा बल के पहले महानिदेशक बने। विभिन्न बलों के पुलिस अधिकारियों की एक टीम के साथ उनकी साझेदारी भारत के विभिन्न पुलिस बलों के बीच साझा एकता, ताकत और सौहार्द को मजबूत करती है। यात्रा को रेलवे सुरक्षा बल के 1011 बहादुर जवानों को समर्पित करते हुए, जिन्होंने 1958 में बल की स्थापना के बाद से कर्तव्य की पंक्ति में अपने जीवन का बलिदान दिया है।

एसबीआई ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 4.64 करोड़ रुपए का योगदान दिया

एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों और यूनियन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट कर सहायता राशि का चेक सौंपा

गांधीनगर 07 सितंबर : भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने राज्य के आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 4.64 करोड़ रुपए दिए हैं।

एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों और यूनियन के पदाधिकारियों ने शनिवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट कर उन्हें 4.64 करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा।

राज्य में हाल ही में हुई भारी वर्षा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए भारतीय स्टेट बैंक की गुजरात स्थित सभी शाखाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों के एक दिन के वेतन के इस स्वैच्छिक योगदान का चेक भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री हेमंत करोलिया ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को सौंपा।

इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पी एन गाडगिल ज्वैलर्स लिमिटेड (कंपनी) का आईपीओ मंगलवार, 10 सितंबर, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 06 सितंबर, 2024: पी एन गाडगिल ज्वैलर्स लिमिटेड (कंपनी) का आईपीओ मंगलवार, 10 सितंबर, 2024 को खुलेगा। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तारीख गुरुवार, 12 सितंबर, 2024 होगी। एंकर निवेशक बोली लगाने की तारीख बोली/प्रस्ताव खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, यानी सोमवार, 09 सितंबर, 20241

ऑफर का प्राइस बैंड रु.456 प्रति इकिटी शेयर से रु.480 प्रति इकिटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 31 इकिटी शेयरों के लिए और उसके बाद 31 इकिटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है।

आईपीओ के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जाना प्रस्तावित हैः (1) महाराष्ट्र में 12 नए स्टोर स्थापित करने पर होने वाले खर्च का फाइनेंसः (11) कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों का पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतानः और (111) सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य।

यह पेशकश प्रतिभूति अस्बा प्रक्रिया के माध्यम से एंकर निवेशक हिस्से में भाग लेने की अनुमति नहीं है। रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार पेश किए जा रहे इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी को 3 जुलाई, 2024 के उनके प्रत्येक पत्र के अनुसार इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग के लिए बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है।

मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड (जिसे पहले एडलवाइस सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) और बीओबी कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर बुक रनिंग लीड मैनेजर्स या बीआरएलएम) हैं।

CARS24 ने महिलाओं और ट+मांसजेंडर ऑटो नॉट्सके लिए लॉन्च की प्मलो टाईम–आउट लीव

ऑटोनॉट्स जैसा कि मैंने सोमवार, 2सितम्बर को टाउनहॉल के दौरान कहा, हमारेकुछपुरूष सहकर्मियों और मैंने हमारे गुरुग्राम कार्यालय में आयोजित पीरियड पेन सिमुलेटरमें हिस्सा लिया। इस दौरान हमनेयह जानाऔर समझा कि किस तरह पीरियड्स के दौरान दैम्प्स की वजह से होने वाला दर्द असहनीय हो सकता है।

इसी कोध्यानमेंरखतेहुएमैंप्मलो टाईम –आउट लीव की शुरूआत कर रहा हूं। इसी महीने से CARS24में कार्यरत सभी महिलाएं ऋमट+मांसजेंडर कर्मचारियों सहित पीरियड के दौरान जंरूरत पर्डने पर छुट्टी ले सकती हैं। क्यों? क्योंकि मैं इस बात को जानता और समझता हूं कि जब हम दर्द में होते हैं, तब किसी भी चीजं पर फोकस करना मुष्किल होता है।

यह सिर्फ एक पॉलिसी नहीं है– बल्कि यह पूरी तरह व्यक्तिगत है। हम इस बात को समझते हैं कि हमारे महिला एवं LGBTQIA'ऑटोनॉट्स, सम्मान के हकदार हैं। हर महीने पीरियड के दौरान अपने आप को समय दे सकते हैं, इसके लिए आपसे कौं सवाल नहीं पूछा जाएगा,नही आपको किसीतरह के अप्रूवल की जंरूरत होगी।ताकिआप अपने स्वास्थ्य और अपने कल्याण को सुनिश्श्चित कर सकें। अपने समर्पण को साबित करने के लिएआपकोदर्द से होकर न गुर्जंरना पर्डे।

जलवायु परिवर्तन से विनाशकारी स्थिति पैदा हो रही, भारत के 85 प्रतिशत से अधिक जिले चक्रवात, बाढ़, सूखा और लू की आशंका से ग्रस्तः आईपीई ग्लोबल व एसरी इंडिया अध्ययन

नई दिल्ली, 06 सितंबर, 2024- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर आईपीई-ग्लोबल और एसरी इंडिया द्वारा आज जारी एक स्वतंत्र अध्ययन में चौकाने वाले रुख सामने आए हैं। इस अध्ययन के मुताबिक, 85 प्रतिशत से अधिक भारतीय जिले बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू संभावित हैं जिसमें से 45 प्रतिशत में अदला-बदली का रुख दर्ज किया जा रहा है। हाल के दशकों में जलवायु की चरम सीमा में बारंबारता, तीव्रता और अनिश्चितता भी चार गुना तक बढ़ी है।

एक पेटेंटशुदा डेकाडल विश्लेषण का उपयोग कर इस अध्ययन में स्पैटियल एवं टेंपोरल मॉडलिंग के जरिए 1973 से 2023 तक की अवधि में चरण जलवायु घटनाओं की एक सूची तैयार की गई है और यह अनुसंधान इन घटनाओं की जटिलताओं और गैर रैखिक रुझान एवं स्वरूप खंगालते हुए एक विस्तृत जिला वार आकलन उपलब्ध कराता है। पिछले एक दशक में जलवायु की इन चरम स्थितियों में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि भारतीय जिलों की कुल मिलाकर जलवायु जोखिम का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इस अध्ययन को एसरी इंडिया और इसकी साझीदार आईपीई ग्लोबल द्वारा क्लाइमेट टेक्नोलॉजी समिट के पूर्ण सत्र में लांच किया गया था जिसका शीर्षक था ''जलवायु जोखिमों को घटना के लिए जीआईएस टेक्नोलॉजी का उपयोग।'' दुनिया, जलवायु सप्ताह, एनवाईसी, अमेरिका के लिए कमर कस रही है जहां उद्योगपतियों, राजनेताओं के जलवायु कार्य प्रतिबद्धताओं पर चर्चा करने की संभावना है।

सोने में आवंटन को पोर्टफोलियो के 10% तक बढ़ाया जा सकता हैः एंजेल वन

मुंबई, 5 सितंबर, 2024: एंजेल वन लिमिटेड के शोध से पता चलता है कि सोना 2024 में एक पसंदीदा परिसंपत्ति वर्ग के रूप में चमकता रहेगा और निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में 10ङ तक निवेश बढ़ाने की सलाह देता है। फिनटेक क्षेत्र में अग्रणी खिलाड़ी कीमती धातु पर एक विशेष दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिससे निवेशकों की संपत्ति निर्माण यात्रा में पसंदीदा भागीदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत होती है।

एंजेल वन लिमिटेड के गैर-कृषि कमोडिटीज और करेंसीज के अनुसंधान के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट प्रथमेश माल्या ने कहा, ''एंजेल वन में हम अपने निवेशकों को सूचित निर्णय लेने और वक्र से आगे रहने के लिए उन्नत शोध साझा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सोने का हमेशा से हमारे भारतीय समाज के लिए भावनात्मक मूल्य रहा है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के समय में, सोना मुद्रा में उतार-चढ़ाव और मुद्रास्फीति दोनों के खिलाफ़ एकदम सही बचाव समाधान प्रदान करेगा। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह अध्ययन निवेशकों को उनकी संपत्ति निर्माण यात्रा में एक उपकरण के रूप में सहायता करेगा, खासकर आर्थिक अनिश्चितता के समय में।''

वर्ष 2024 में पहले से ही दोहरे अंकों में वृद्धि के साथ, सोने की कीमतों को और अधिक बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण घटना अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और जापान में आगे की ब्याज दरों के साथ-साथ अमेरिकी चुनावों के परिणाम से शुरू होने वाली घटनाओं के संयोजन से सामने आएगी। एंजेल वन अपने ग्राहकों के लिए शोध समर्थित सलाह देने में सबसे आगे रहा है।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद

निर्माण कार्य

भारत संघ के राष्ट्रपति की ओर से डेप्यूटी चीफ इंजीनियर (निर्माण) - II, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है **ई-निविदा सूचना सं :** T.No.Dy.CE(C) II-ADI/ROB-278-01 (दो पैकेट) **(1) कार्य का नाम और स्थान :** वडोदरा मंडल के वडोदरा-गेरतपुर सेक्शन के बीच किमी 455/20-22 पर एल.सी. संख्या 278 के स्थान पर एप्रोच रोड (एक छोर से दूसरे छोर तक) सहित 2 लेन वाले सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) का निर्माण। (दो पैकेट) **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹40,05,52,628.67 **(3) जमा की जाने वाली बयाना राशि :** ₹21,52,800.00 **(4) निविदा फार्म शुल्क :** शून्य **(5) कार्य पूर्ण करने की अवधि :** मानसून सहित 15 (पंद्रह) माह। **(6) बोली जमा करने की तिथि और समय :** 25.09.2024 को 15:00 बजे तक. **(7) वेबसाइट विवरण नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता :** कार्यालय डेप्यूटी चीफ इंजीनियर (निर्माण) - II का कार्यालय पश्चिम रेलवे, द्वितीय तल, 'सी' विंग, निर्माण भवन, डीआरएम कार्यालय के पास, असारवा, अहमदाबाद - 382 345 वेबसाइट : www.ireps.gov.in 38

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95